मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 9 अंक 50
गुरुवार, 27 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

नेपाल में फ्लैश फ्लड से 95 लोगों की मौत के बाद यूपी-बिहार में अलर्ट, सीमावर्ती इलाकों में बढ़ाई गई सतर्कता

काठमांडू, 26 अगस्त। नेपाल में बुधवार सुबह अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। तिब्बत सीमा से सटे नेपाल के रसुवा, धाडिंग और नुवाकोट जिलों में अचानक आए पानी के सैलाब ने कई गांवों, सड़कों और हाइड्रोपावर परियोजनाओं को तबाह कर दिया है। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 95 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, वहीं यह आकंड़ा बढ़ सकता है। इसके साथ ही 105 भारतीय नागरिकों समेत 500 लोग लापता बताए जा रहे हैं। नेपाल टूरिज्म बोर्ड के अनुसार, रसुवा और उसके आसपसा के इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन के बाद 500 से ज्यादा लोग लापता हैं। इनमें 291 विदेशी पर्यटक और 93 नेपाली नागरिक शामिल हैं। लापता विदेशी यात्रियों में 105 भारतीय नागरिक, 37 एनआरआई तथा अमेरिका, ब्रिटेन, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स के नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा टिमुरे बॉर्डर पोस्ट पर तैनात 9 पुलिसकर्मी भी लापता बताए जा रहे हैं। बाढ़ की चपेट में आकर रसुवा का एक प्रमुख हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पूरी तरह से तबाह हो गया है, जबकि धाडिंग और नुवाकोट में कम से कम एक दर्ज जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रसुवा, नुवाकोट, धाडिंग, गोरखा और चितवन जैसे प्रभावित इलाकों के सांसदों से बातचीत की। इस बातचात में बाढ़ से हुए नुकसान, तटीय इलाकों में बसी बस्तियों की हालत और बचाव व राहत कार्यों पर चर्चा हुई। नेपाल सरकार ने राहत और बचाव कार्य के लिए 14 हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। हालांकि, टिमुरे में स्थानीय हेलीपैड के बह जाने के कारण राहत टीमों को उतरने में भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। आपातकालीन सहायता के लिए नेपाल टूरिज्म बोर्ड ने हेल्पलाइन नंबर (1234, 1144, और 9851289445) जारी किए हैं। काठमांडू में भारतीय दूतावास ने आज नेपाल में अचानक आई बाढ़ से प्रभावित भारतीय नागरिकों की मदद और जानकारी के लिए इमरजेंसी नंबर जारी किए हैं नेपाल के स्थानीय प्रशासन के अनुसार, रसुवा क्षेत्र में पिछले 24 घंटों के दौरान मात्र 7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसलिए इस भीषण बाढ़ का कारण स्थानीय बारिश नहीं, बल्कि तिब्बत के ऊपरी हिस्से में स्थित किसी ग्लेशियल झील का फटना माना जा रहा है। तिब्बत में कैलाश मानसरोवर जा रहे लगभग 400 तीर्थयात्रियों में से कम से कम 105 भारतीय लापता हो गए हैं। नेपाल टूरिज्म बोर्ड के अनुसार, बाढ़ प्रभावित इलाके से कम से कम 384 यात्री लापता बताए जा रहे हैं, जिनमें 291 विदेशी और 93 नेपाली नागरिक शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि विदेशियों में 105 भारतीय नागरिक शामिल हैं। ये सभी अलग-अलग ट्रैवल एजेंसियों के साथ यात्रा पर गए थे।

जहरीली गैस की चपेट में आने से बाप-बेटे की मौत, कुएं की सफाई के दौरान हुआ हादसा

तमिलनाडु। तमिलनाडु के सौकारपेट इलाके में एक आवासीय इमारत के कुएं की सफाई करते समय कथित तौर पर जहरीली गैस की चपेट में आने से पिता-पुत्र की बुधवार को मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान रवि (51) और मुरुगन (32) के रूप में हुई है। वे मूल रूप से विल्लुपुरम के थे और चेन्नई में रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, एक स्थानीय कारोबारी ने अपने आवास के कुएं की सफाई के लिए दोनों को काम पर लगाया था। रवि सफाई के लिए रस्सी की सीढ़ी के सहारे कुएं में उतरा। लेकिन अंदर जहरीली गैस के कारण वह बेहोश हो गया और पानी में गिर गया। एक अधिकारी ने बताया कि अपने पिता को बचाने के लिए मुरुगन कुएं में उतरा, लेकिन वह भी गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गया। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों और राहगीरों ने अधिकारियों को सूचना दी, जिसके बाद दोनों को राजीव गांधी सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिहार के छात्र सवाल पूछते रहेंगे, अब सिर्फ जवाब नहीं जवाबदेही चाहिए: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 26 अगस्त। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षाओं से जुड़ी मांगों को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर बुधवार को कहा कि छात्र सवाल पूछते रहेंगे और अब उन्हें केवल जवाब नहीं, बल्कि "जवाबदेही" चाहिए। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा एक छोटे बच्चे को अपने साथ ले जाने के वीडियो को 'एक्स' पर साझा करते हुए यह भी कहा कि सरकार जवाब देने के बजाय "लाठी और वॉटर कैनन चला रही है" और छात्रों को हिरासत में ले रही है। गांधी ने कहा, "बिहार के छात्र सवाल पूछते रहेंगे। और अब सिर्फ. जवाब नहीं - जवाबदेही चाहिए।"उन्होंने कहा, "बिहार के छात्रों का सवाल बहुत सीधा है- भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी क्यों? पेपर लीक के आरोपों पर कार्रवाई क्यों नहीं? और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कब तक?" कांग्रेस नेता ने कहा कि बीपीएससी की परीक्षाओं को लेकर विवाद नया नहीं है और छात्र लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, देरी तथा पारदर्शिता को लेकर सड़कों पर हैं।उन्होंने दावा किया, "सीवान में तो प्रदर्शनकारियों पर एके 47 से गोलीबारी तक सामने आई।" उनका कहना है, "यह सिर्फ. पुलिस की कार्रवाई का सवाल नहीं। यह उस भाजपा सरकार की मानसिकता का सवाल है, जिसके पास जवाब नहीं हैं, इसलिए वह पुलिस को जवाबदेही से बचने का हथियार बना रही है।" राहुल गांधी ने कहा, "भाजपा सरकार यह समझ ले कि लाठी से सवाल नहीं रुकते। डराकर किसी का भविष्य नहीं छीना जा सकता।'उन्होंने कहा कि बिहार के छात्र अपने सवाल उठाते रहेंगे और अब केवल जवाब नहीं, जवाबदेही की मांग करेंगे। बीपीएससी परीक्षा से जुड़ी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्र और नौकरी के अभ्यर्थी मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च के दौरान पुलिस से भिड़ गए।

आखिरी दिन रोमांचक होगा कोलंबो टेस्ट, श्रीलंका 16 रन से आगे; भारतीय टीम की नजर चार विकेट पर

कोलंबो, 26 अगस्त। भारत और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच में टीम इंडिया सीरीज पर कब्जा करने के बेहद करीब पहुंच गई है। चौथे दिन का खेल बारिश और खराब रोशनी के कारण समय से पहले समाप्त हुआ। श्रीलंका ने फॉलोऑन खेलने के बाद दूसरी पारी में 6 विकेट पर 229 रन बना लिए हैं और अब भारत से 16 रन आगे है। स्टंप्स के समय सोनल दिनूषा सात और केशारा नुवांथा तीन रन बनाकर नाबाद थे। भारत ने पहली पारी में 503/9 रन बनाकर पारी घोषित की थी, जिसके जवाब में श्रीलंका की पहली पारी 290 रन पर सिमट गई थी। भारत को 213 रन की विशाल बढ़त मिली और श्रीलंका को फॉलोऑन के लिए मजबूर होना पड़ा।

श्रीलंका की दूसरी पारी की शुरूआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 63 रन तक अपने दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद पसिंदु सूरियाबंदारा और कामिंदु मेंडिस ने मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 115 रन की शानदार साझेदारी की। करीब 110 मिनट तक चली इस साझेदारी ने श्रीलंका को मैच में वापसी का मौका दिया। दोनों ने भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की। कामिंदु मेंडिस ने मानव सुथार के खिलाफ दो छक्के लगाए, जबकि सूरियाबंदर ने भी सुथार की गेंद पर स्लॉग स्वीप करते हुए छक्का जड़ा। मेंडिस ने 87 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद सूरियाबंदर ने 78 गेंदों में पचासा पूरा किया। भारत को इस महत्वपूर्ण साझेदारी को तोड़ने में प्रसिद्ध कृष्णा ने सफलता दिलाई। उन्होंने शॉर्ट पिच गेंद से मेंडिस को परेशान किया और बल्लेबाज ने गेंद को खेलने की कोशिश में शुबमन गिल को कैच थमा दिया। कामिंदु मेंडिस ने 55 रन बनाए, जबकि सूरियाबंदारा अपने शतक की ओर तेजी से बढ़ रहे थे। चायकाल तक श्रीलंका का स्कोर तीन विकेट पर 199 रन था और उसे पारी की हार से बचने के लिए सिर्फ 14 रन की जरूरत थी।चायकाल के बाद भारतीय गेंदबाजों ने शानदार वापसी की और श्रीलंका के तीन विकेट जल्दी निकाल दिए। कप्तान धनंजय डी सिल्वा मानव सुथार की गेंद पर इनसाइड एज लगाकर देवदत्त पडिक्कल के हाथों कैच आउट हुए। इसके बाद सूरियाबंदारा ने अपना पहला टेस्ट शतक पूरा करने का मौका गंवा दिया। वह सुथार की गेंद पर आगे बढ़कर बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन सुथार ने गेंद को बल्लेबाज से दूर कर दिया। विकेटकीपर ऋषभ पंत ने गिल्लियां बिखेरने में कोई गलती नहीं की। सूरियाबंदारा 92 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सरांश जैन ने नीरोजन डिकवेला को एलबीडब्ल्यू आउट कर श्रीलंका को छठा झटका दिया। इस समय श्रीलंका का स्कोर 218 रन था।

भारत के पास श्रीलंका की पारी खत्म करने के लिए करीब एक घंटे का समय था, लेकिन शाम 4:37 बजे तेज बारिश शुरू हो गई।

ऑपरेशन सिंदूर पर जनरल अनिल चौहान के खुलासों को लेकर जयराम रमेश ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान के बयानों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट साझा कर कहा कि 30 मई 2025 को सिंगापुर में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान जनरल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण खुलासे किए थे। रमेश के मुताबिक, जनरल चौहान ने हाल ही में भी कुछ अहम बातें सामने रखी हैं, जिन्हें लेकर चिंता पैदा होना स्वाभाविक है।

जयराम रमेश ने कारगिल युद्ध के बाद की गई समीक्षा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म होने के चार दिन बाद, 29 जुलाई 1999 को तत्कालीन वाजपेयी सरकार ने के. सुब्रह्मण्यम की अध्यक्षता में कारगिल रिव्यू कमेटी का गठन किया था। समिति की रिपोर्ट 23 फरवरी 2000 को संसद में पेश की गई थी।

रमेश ने कहा कि समय-समय पर इंटरव्यू और व्याख्यानों में सामने आने वाले ऐसे महत्वपूर्ण खुलासे, चाहे वे किसी रणनीति का हिस्सा हों या नहीं, कारगिल रिव्यू कमेटी जैसी व्यवस्थित और व्यापक समीक्षा प्रक्रिया का विकल्प नहीं हो सकते।

नेपाल के लिए भारत में बढ़ाया मदद का हाथ, पीएम मोदी ने बालेन शाह से की बात

नई दिल्ली, 26 अगस्त। नेपाल में तिब्बत की ओर से भयंकर बाढ़ आने पर भारत ने सबसे पहले मदद का हाथ बढ़ाया है। रसुवा जिले में भोटेकोशी नदी में अचानक आई बाढ़ से सैकड़ों पर्यटक लापता बताए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में भारतीय और प्रवासी भारतीय शामिल हैं। ये ज्यादातर कैलाश-मानसरोवर यात्रा पर निकले थे। हालात की गंभीरता को देखते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने नेपाल के पीएम बालेन शाह से बात की और हर संभव मानवीय व राहत सहायता का आश्वासन दिया।

काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने दो आपातकालीन नंबरों (977 985 131 6807 और 977 970 910 7500)की घोषणा की है ताकि प्रभावित भारतीयों के परिजनों तक जानकारी पहुंचाई जा सके। नेपाल पर्यटन बोर्ड के अनुसार कुल 384 पर्यटक लापता हैं। इनमें 291 विदेशी और 93 नेपाली नागरिक शामिल हैं। बोर्ड ने बताया कि 105 भारतीय लापता हैं। इसके अलावा 37 प्रवासी भारतीय भी लापता लोगों में शामिल है। जबकि 111 पर्यटकों की राष्ट्रीयता अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। इनमें से भी अधिकांश के भारतीय होने की संभावना है।

इन सभी लापता पर्यटकों ने नेपाल की विभिन्न पर्यटन एजेंसियों के माध्यम से कैलाश-मानसरोवर यात्रा की बुकिंग कराई थी। पर्यटक एजेंसियों से जिन लापता लोगों की जानकारी मिली है, उनकी जानकारी नेपाल पर्यटन बोर्ड ने जारी की है। लेकिन यह संख्या काफी बढ़ सकती है।

कैलाश-मानसरोवर की यात्रा का प्रबंध करने वाले कई छोटे स्तरों की एजेंसियों भी होती हैं।

रक्षाबंधन (28 अगस्त 2026) पर विशेष

राखी कोरा रक्षा कवच नहीं, नारी-सम्मान का संकल्प बने

-ललित गर्ग

रक्षाबंधन केवल कलाई पर बंधा हुआ एक धागा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस विराट चेतना का प्रतीक है जिसमें प्रेम, विश्वास, दायित्व, आत्मीयता और संरक्षण एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। लेकिन बदलते समय में इस पर्व के अर्थ को भी नए सिरे से समझने की जरूरत है। वह समय बीत चुका है जब स्त्री की सुरक्षा को केवल पुरुष की जिम्मेदारी मान लिया जाता था। आज की महिला स्वयं अपने जीवन की दिशा तय कर रही है, शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति, सेना, उद्योग, खेल और अंतरिक्ष तक अपनी पहचान बना रही है। इसलिए आज राखी का सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि भाई बहन की रक्षा करेगा या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि क्या हमारा समाज ऐसा बनेगा जिसमें हर महिला को अपनी सुरक्षा, स्वतंत्रता, गरिमा और सपनों के लिए किसी की कृपा पर निर्भर न रहना पड़े? रक्षाबंधन की भारतीय अवधारणा में रक्षा का अर्थ बहुत व्यापक है। संस्कृत में कहा गया है- रक्षति इति रक्षः, अर्थात जो रक्षा करे वही रक्षक है। परंतु किसकी रक्षा? केवल शरीर की नहीं, बल्कि सम्मान की, स्वतंत्रता की, संस्कारों की, विचारों की और जीवन-मूल्यों की भी। इसी व्यापक अर्थ में रक्षाबंधन आज एक पारिवारिक पर्व से आगे बढ़कर सामाजिक दर्शन का पर्व बन सकता है।

भारतीय परंपरा में रक्षासूत्र का उल्लेख अत्यंत प्राचीन है। वैदिक परंपरा में रक्षा-सूत्र को मंगल, संकल्प और संरक्षण का प्रतीक माना गया। इंद्र और इंद्राणी की कथा हो अथवा गुरु द्वारा शिष्य को रक्षासूत्र बांधने की परंपरा-इन सबमें एक गहरी भावना दिखाई देती है कि मनुष्य अपने से जुड़े व्यक्ति के प्रति उत्तरदायित्व स्वीकार करे। इसका अर्थ किसी को कमजोर मानकर उसकी रक्षा करना नहीं, बल्कि संबंधों को जिम्मेदारी से निभाना है। यही बात आज के रक्षाबंधन को नई अर्थवत्ता देती है। भारतीय इतिहास में राखी ने कई बार रक्त और धर्म से परे मानवीय संबंधों का रूप लिया है। राजपूत परंपरा में युद्ध के लिए जाते योद्धाओं की कलाई पर रक्षासूत्र बांधने की परंपरा वीरता और विजय की मंगलकामना से जुड़ी रही। मध्यकालीन इतिहास में मेवाड़ की रानी कर्णावती और हुमायूँ से जुड़ी राखी की कथा भले ही इतिहास और लोकस्मृति के बीच अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत की जाती हो, लेकिन इसका सांस्कृतिक संदेश स्पष्ट है-राखी जैविक भाई-बहन के रिश्ते से आगे बढ़कर विश्वास और संरक्षण का मानवीय अनुबंध बन सकती है।

महाभारत में द्रौपदी और श्रीकृष्ण का प्रसंग भी इसी भावभूमि को स्पर्श करता है। द्रौपदी द्वारा श्रीकृष्ण की घायल कलाई पर वस्त्र बांधने और श्रीकृष्ण द्वारा उसके सम्मान की रक्षा करने की कथा भारतीय मानस में भाई-बहन के रिश्ते की करुणा, आत्मीयता और दायित्व का प्रतीक बन गई। इस कथा का आधुनिक अर्थ यह है कि संबंध केवल लेने का नहीं, एक-दूसरे के लिए खड़े होने का नाम है। रक्षा एकतरफा नहीं होती, प्रेम में पारस्परिक उत्तरदायित्व होता है। आज की नारी ने इस पारंपरिक धारणा को एक नया आयाम दिया है। वह अब केवल ह्यरक्षा की अपेक्षा रखने वालीह्न नहीं, बल्कि स्वयं परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में सक्रिय भागीदार है। भारतीय सशस्त्र सेनाओं में महिलाएं सीमाओं की सुरक्षा कर रही हैं, महिला पायलट आकाश में देश की शक्ति का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, वैज्ञानिक अंतरिक्ष अभियानों में योगदान दे रही हैं, महिला खिलाड़ी विश्व मंच पर तिरंगा ऊंचा कर रही हैं और प्रशासनिक सेवाओं में महिलाएं नीति-निर्माण को दिशा दे रही हैं। ऐसे समय में राखी का धागा हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि जिस नारी को हम ह्यअबलाह्न कहकर उसकी रक्षा का दावा करते हैं, वही नारी राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर सकती है तो उसके सम्मान और अधिकारों की रक्षा में समाज पीछे क्यों रहे?

यही रक्षाबंधन का नया दर्शन है-नारी की रक्षा नहीं, नारी की सामर्थ्य का सम्मान। नारी को सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी उपाय उसकी स्वतंत्रता को सीमित करना नहीं, बल्कि समाज की मानसिकता को बदलना है। बेटी को यह कहना कि ह्यसावधान रहना, क्योंकि दुनिया सुरक्षित नहीं हैह्न पर्याप्त नहीं। उससे अधिक जरूरी है बेटे को यह सिखाना कि किसी महिला की स्वतंत्रता, गरिमा और इच्छा का सम्मान करना ही वास्तविक पुरुषार्थ है। राखी यदि भाई की कलाई पर बंधती है तो वह केवल बहन की रक्षा का वचन न बने, वह भाई को यह संकल्प भी दे कि वह किसी भी स्त्री के प्रति अन्याय, अपमान और हिंसा के विरुद्ध खड़ा होगा। आज नारी सुरक्षा का प्रश्न केवल सड़क, कार्यस्थल या सार्वजनिक स्थानों तक सीमित नहीं है। डिजिटल युग ने सुरक्षा की नई चुनौतियां पैदा की हैं। साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन बदनामी, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, डिजिटल धोखाधड़ी और सोशल मीडिया पर महिलाओं के विरुद्ध अपमानजनक व्यवहार आधुनिक समाज के नए खतरे हैं। इसलिए आज की राखी में एक नया संकल्प जुड़ना चाहिए-हम नारी की डिजिटल गरिमा की भी रक्षा करेंगे। लेकिन रक्षा का एक और आयाम है, जिसे हम अक्सर भूल जाते हैं-आर्थिक आत्मनिर्भरता। जिस महिला के पास शिक्षा, कौशल, रोजगार और आर्थिक निर्णय लेने की क्षमता होती है, उसकी आत्मसम्मान की शक्ति कहीं अधिक होती है। इसलिए यदि रक्षाबंधन को सचमुच नारी-सशक्तिकरण का पर्व बनाना है तो भाई बहन को केवल उपहार न दे, बल्कि उसके सपनों में सहभागी बने। उसकी शिक्षा, व्यवसाय, शोध, कला, करियर अथवा सामाजिक कार्य में सहयोग करे। सबसे सुंदर राखी वही होगी जो बहन की कलाई पर बंधकर उसके सपनों को पंख दे।

भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं माना। हमारे यहां यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः की भावना रही है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान की परंपरा में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने रणभूमि में अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने शासन और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया। सावित्रीबाई फुले ने स्त्री-शिक्षा की मशाल जलाई। आधुनिक भारत में कल्पना चावला से लेकर अनेक महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों तक ने यह सिद्ध किया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। इसलिए रक्षाबंधन को अतीत की स्मृति और वर्तमान की चेतना के बीच एक सेतु बनाना होगा। हमारी संस्कृति का संरक्षण तभी सार्थक है जब वह जीवन को आगे बढ़ाए, उसे पीछे न खींचे। परंपरा वह नहीं जो केवल दोहराई जाए, परंपरा वह है जो समय के साथ नए अर्थ पैदा करे। रक्षाबंधन का आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संसार में सबसे बड़ी असुरक्षा बाहरी नहीं, भीतर की है। भय, क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष मनुष्य की आत्मिक शांति को कमजोर करते हैं। जैन दर्शन की दृष्टि से देखें तो वास्तविक रक्षा बाहरी कवच से नहीं, आत्मसंयम और आत्मजागरण से होती है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों से स्वयं की रक्षा करना सीख जाता है, तभी वह दूसरों के लिए भी सुरक्षा और शांति का माध्यम बनता है। इस दृष्टि से रक्षासूत्र हमारी कलाई पर नहीं, पहले हमारे विवेक पर बंधना चाहिए।

रक्षाबंधन हमें यह भी याद दिलाता है कि राष्ट्र केवल सीमाओं से सुरक्षित नहीं होता। राष्ट्र तब सुरक्षित होता है जब उसकी बेटियां सुरक्षित हों, जब परिवारों में विश्वास हो, जब समाज में संवेदना हो, जब युवाओं में चरित्र हो और जब नागरिक अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझें। सीमा पर सैनिक राष्ट्र की भौगोलिक रक्षा करता है, लेकिन घर-परिवार में संस्कार, शिक्षा और संवेदना राष्ट्र की सामाजिक रक्षा करते हैं। माता-पिता संकल्प लें कि बेटा और बेटी दोनों को समान अवसर देंगे। रक्षाबंधन का भविष्य उस मानसिक परिवर्तन में है जहां रक्षा का अर्थ अधिकार छीनना नहीं, अधिकार सुरक्षित करना होगा, प्रेम का अर्थ स्वामित्व नहीं, स्वतंत्रता का सम्मान होगा और भाईचारे का अर्थ संरक्षण नहीं, साझेदारी होगा और संस्कृति का अर्थ अतीत में लौटना नहीं, अपने श्रेष्ठ मूल्यों को भविष्य में ले जाना होगा। कलाई पर बंधी राखी कुछ दिनों में पुरानी पड़ सकती है, लेकिन उससे जुड़ा संकल्प यदि जीवन में उतर जाए तो वह पीढ़ियों तक जीवित रहता है। इसलिए इस रक्षाबंधन पर एक नया संकल्प हो-नारी को सुरक्षित ही नहीं, सम्मानित बनाएंगे। उसे संरक्षित ही नहीं, समर्थ बनाएंगे। उसके रास्ते रोकेंगे नहीं, उसके सपनों के साथ चलेंगे। यही राखी का नया अर्थ है, यही भारतीय संस्कृति की आधुनिक व्याख्या है और यही उस धागे की वास्तविक शक्ति है, जो एक कलाई से शुरू होकर पूरे समाज को मानवीयता, आत्मसम्मान और राष्ट्रभावना के सूत्र में बांध सकता है।

मिठास का कड़वा गणित: चीनी के भावों के उतार-चढ़ाव का असल खेल

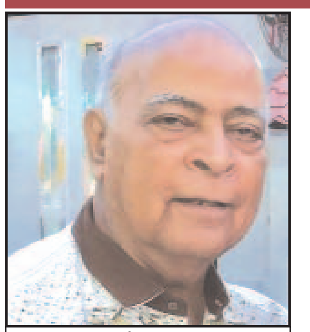
अशोक भाटिया

भारत में चीनी केवल रसोई का एक आवश्यक हिस्सा नहीं है, बल्कि यह देश के आर्थिक और राजनीतिक ताने-बाने को नियंत्रित करने वाली एक बेहद संवेदनशील कमोडिटी भी है। हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में आई अचानक उछाल ने एक बार फिर उपभोक्ताओं की जेब पर असर डाला है और नीति-निमार्ताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। खुदरा बाजार में चीनी के दाम अचानक प्रति किलो कई रुपये चढ़ गए हैं। आम उपभोक्ता के लिए यह केवल एक सामान्य महंगाई की मार हो सकती है, लेकिन राजनीतिक-आर्थिक चश्मे से देखें तो इसके पीछे 'डिमांड और सप्लाई' के पारंपरिक नियम से कहीं बड़ा और पेचीदा खेल चल रहा है। इस खेल में मौसम की अनिश्चितता, एथनॉल निर्माण की महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय नीतियां, सरकारी अनुमानों के यू-टर्न, अंतरराष्ट्रीय बाजार का दबाव और सबसे बढ़कर, घरेलू बाजार के सटोरियों व रसूखदार जमाखोरों का सिंडिकेट शामिल है। चीनी के इस पूरे चक्रव्यूह को समझे बिना हम इसकी कीमतों के उतार-चढ़ाव के असल खेल को नहीं समझ सकते।

चीनी उद्योग का सबसे पहला और बुनियादी खेल गन्ने की पैदावार बनाम चीनी की 'रिकवरी रेट' के बीच छुपा होता है। अक्सर आम जनता और यहाँ तक कि सरकारें भी गन्ने की लहलहाती फसल देखकर यह मान लेती हैं कि इस साल चीनी का बंपर उत्पादन होगा। लेकिन हकीकत इसके उलट होती है। इस सीजन में भी गन्ने की फसल खेतों में खड़ी जरूर दिखी, लेकिन मौसम के मिजाज ने पूरा खेल बिगाड़ दिया। मानसून की अनिश्चितता और ऐन वक्त पर तापमान में आए असंतुलन के कारण गन्ने की फसल 'रेड रोट' जैसी फंगस जनित बीमारियों की शिकार हो गई। इसका सीधा असर गन्ने के अंदर मौजूद रस की मात्रा और उसकी गुणवत्ता पर पड़ा। जब यह गन्ना मिलों में पेराई के लिए पहुँचा, तो रिकवरी रेट, यानी गन्ने के वजन के मुकाबले चीनी निकलने का प्रतिशत काफी नीचे गिर गया। शुरूआती अनुमानों में जहां देश के भीतर करीब ३४३ लाख टन चीनी उत्पादन की उम्मीद जताई जा रही थी, वहीं यह रिकवरी रेट गिरने के कारण घटकर लगभग ३०६ लाख टन पर ही सिमट गया। यानी फसल दिखने में अच्छी थी, लेकिन मिलों से निकलने वाली चीनी का वास्तविक उत्पादन उम्मीद से ३७ लाख टन कम रहा। यह उत्पादन का पहला कड़वा सच है जो बाजार में कमी की शुरूआती बुनियाद रखता है।

चीनी के भावों में आए इस उबाल के पीछे सरकार की 'एथनॉल ब्लेंडिंग पॉलिसी' का भी एक बड़ा रणनीतिक हाथ है। कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने और कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए सरकार पेट्रोल में २० प्रतिशत तक एथनॉल मिलाने के लक्ष्य पर तेजी से काम कर रही है। एथनॉल बनाने के लिए सबसे मुफीद और आसान जरिया गन्ने का रस या भारी शीरा होता है। जब चीनी मिलों को गन्ने के रस से सीधे एथनॉल बनाने की अनुमति मिली, तो मिल मालिकों के लिए यह अधिक मुनाफे का सौदा साबित हुआ। बाजार के विश्लेषकों का एक वर्ग यह आरोप लगाता रहा है कि भारी मात्रा में गन्ने के रस को एथनॉल निर्माण की तरफ मोड़ने के कारण घरेलू बाजार में चीनी का स्टॉक कम हुआ और कीमतें बढ़ीं। हालांकि, सरकार के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि इस साल उत्पादित कुल एथनॉल का लगभग ६८ प्रतिशत हिस्सा मक्का और खराब हो चुके अनाजों से आया है, और चीनी का केवल ९ प्रतिशत हिस्सा ही एथनॉल के लिए इस्तेमाल हुआ। इसके बावजूद, बाजार एक मनोवैज्ञानिक धारणा पर काम करता है। जैसे ही सटोरियों को यह संदेश जाता है कि गन्ना चीनी के बजाय ईंधन बनाने में जा रहा है, वे बाजार में कृत्रिम कमी का डर दिखाकर कीमतों को बढ़ाना शुरू कर देते हैं।

चीनी के खेल को नियंत्रित करने वाला तीसरा सबसे बड़ा खिलाड़ी खुद सरकार की व्यापारिक नीतियां और उनके बदलते आंकड़े हैं। चीनी एक ऐसी कमोडिटी है जिस पर सरकार की पैनी नजर होती है, लेकिन कई बार जमीनी हकीकत को भांपने में होने वाली देरी बाजार को पूरी तरह अस्थिर कर देती है। इस सीजन की शुरूआत में जब मिलों और सरकारी विभागों ने बंपर स्टॉक का अनुमान लगाया, तो सरकार ने चीनी के निर्यात को हरी झंडी दे दी। इसके तहत लगभग २० लाख टन चीनी देश से बाहर भेज दी गई ताकि मिल मालिकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार के ऊंचे दामों का फायदा मिल सके और वे किसानों के गन्ने का भुगतान समय पर कर सकें। लेकिन जैसे ही मध्य-सीजन में कम रिकवरी के कारण चीनी का वास्तविक उत्पादन घटने लगा, सरकार को अपनी रणनीति अचानक बदलनी पड़ी। आनन-फानन में निर्यात पर रोक लगाई गई और घरेलू बाजार में आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तुरंत १० लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की घोषणा करनी पड़ी। सरकार की नीतियों में आया यह अचानक यू-टर्न बाजार के बड़े व्यापारियों के लिए एक स्पष्ट संकेत होता है। वे समझ जाते हैं कि सरकार के पास स्टॉक की कमी है, और यहीं से सट्टेबाजी का असली खेल शुरू होता है।

जब उद्योग जगत के शीर्ष संगठन 'इंडियन शुगर एंड बायोएनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन' के बयानों को देखा जाए, तो उनका स्पष्ट कहना है कि देश में चीनी की कोई वास्तविक या भौतिक किल्लत नहीं है। देश की आबादी की जरूरत को पूरा करने के लिए गोदामों में पर्याप्त चीनी मौजूद है। तो फिर दाम क्यों बढ़ रहे हैं? इसका जवाब है—जमाखोरी और कृत्रिम किल्लत का संगठित सिंडिकेट। यह खेल थोक व्यापारियों, बड़े डीलरों और वायदा बाजार के सटोरियों द्वारा खेला जाता है। जैसे ही मौसम की खराबी या आयात-निर्यात नीतियों में बदलाव की खबरें आती हैं, यह सिंडिकेट सक्रिय हो जाता है। विशेषकर त्योहारों के सीजन के दौरान, जब मिठाई और कोल्ड ड्रिंक निमार्ताओं की मांग चरम पर होती है, ये बड़े डीलर एडवांस में ही चीनी का भारी स्टॉक दबा लेते हैं। मिलों से बाजार तक आने वाली सप्लाई चेन को जानबूझकर धीमा कर दिया जाता है। जब मांग बहुत ज्यादा हो और बाजार में माल कम दिखे, तो कीमतें अपने आप आसमान छूने लगती हैं। इस तरह बिना किसी वास्तविक कमी के, केवल कागजी और गोडाउन के स्तर पर कमी दिखाकर करोड़ों रुपये का मुनाफा कमाया जाता है।

चीनी केवल स्थानीय बाजार की वस्तु नहीं है, यह एक वैश्विक कमोडिटी भी है। जब भी दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादक देशों जैसे ब्राजील, थाईलैंड या भारत में मौसम बिगड़ता है, तो अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंजों में चीनी के दाम तेजी से बढ़ने लगते हैं। भारतीय चीनी मिलें हमेशा इस फिराक में रहती हैं कि वे वैश्विक बाजार की इस तेजी का लाभ उठाएं। भले ही सरकार निर्यात पर पाबंदी लगा दे, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी कीमतें घरेलू मिल मालिकों को एक मजबूत मोलतोल की शक्ति देती हैं। वे घरेलू बाजार में भी चीनी की एक्स-मिल कीमतें बढ़ा देते हैं। इसके अलावा, भारत में गन्ने की 'उचित और लाभकारी मूल्य' यानी एफआरपी सरकार तय करती है, जो हर साल किसानों के राजनीतिक दबाव में बढ़ानी पड़ती है। जब इनपुट कॉस्ट बढ़ती है, तो मिलें अपनी उत्पादन लागत निकालने और मुनाफा कमाने के लिए चीनी के दाम बढ़ाने को मजबूर हो जाती हैं, जिसका अंतिम बोझ आम उपभोक्ता पर ही पड़ता है।

चीनी के भावों के बढ़ने-घटने का यह असल खेल यह साबित करता है कि यह उद्योग केवल कृषि का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह राजनीति, कॉर्पोरेट मुनाफे और प्रशासनिक चूक का एक त्रिकोण है। सरकार ने हाल ही में इस बेकाबू होते खेल को रोकने के लिए कुछ कड़े प्रशासनिक कदम उठाए हैं, जैसे चीनी डीलरों के लिए ४०० टन की स्टॉक सीमा तय करना और कोल्ड ड्रिंक व मिठाई निमार्ताओं जैसे बड़े उपभोक्ताओं पर १५ दिनों से अधिक का स्टॉक रखने पर पाबंदी लगाना। साथ ही मिलों को १५ अक्टूबर से ही पेराई शुरू करने का निर्देश दिया गया है ताकि त्योहारों में नई चीनी बाजार में आ सके। लेकिन ये सभी उपाय तात्कालिक और सामयिक राहत देने वाले ही हैं। यदि इस खेल को हमेशा के लिए बंद करना है, तो सरकार को एक दीर्घकालिक और स्थिर नीति बनानी होगी। गन्ने के रस से एथनॉल बनाने और चीनी बनाने के अनुपात को इस तरह संतुलित करना होगा कि वह मौसम की अनिश्चितता से प्रभावित न हो। साथ ही, कृषि और खाद्य मंत्रालयों के बीच उपग्रह आधारित सटीक फसल अनुमान प्रणाली विकसित करनी होगी ताकि नीतिगत यू-टर्न से बचा जा सके। जब तक जमाखोरी के सिंडिकेट को पूरी तरह ध्वस्त नहीं किया जाएगा और मिलों की वास्तविक वित्तीय स्थिति को पारदर्शी नहीं बनाया जाएगा, तब तक चीनी की मिठास के पीछे का यह कड़वा खेल हर कुछ सालों में इसी तरह आम जनता की जेब पर डाका डालता रहेगा।

शिक्षित राष्ट्र के बिना 'विश्व गुरु' की अवधारणा बेमानी

-निर्मल रानी

हमारे देश में पिछले एक दशक से भारत को विश्वगुरु बनाने का ढोल पीटा जा रहा है। इसी विमर्श के समानांतर इस समय देश में शिक्षा को लेकर भी बड़ी बहस छिड़ी हुई है। अतः इसी सन्दर्भ में यह सवाल भी जरूरी हो गया है कि क्या शिक्षा के बिना या शिक्षित हुये बिना भी भारत विश्वगुरु बन सकता है ? नीति आयोग और शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि पिछले एक दशक में देशभर में लगभग 94,000 सरकारी स्कूल या तो पूरी तरह बंद किये जा चुके हैं या उनका अन्य स्कूलों में विलय कर दिया गया है। UDISE अर्थात यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफोर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन के हालिया आंकड़े व नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, एक साल के भीतर देश भर में 4,791 स्कूल बंद हुए हैं। इसकी वजह से शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी निजी स्कूलों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। परिणामस्वरूप शिक्षा गरीबों की पहुँच से दूर हो चुकी है। और जो स्कूल चल भी रहे हैं उनमें से अधिकांश की हालत किसी से छुपी नहीं है। यहाँ अक्टूबर 2022 की गुजरात की उस घटना का जिक्र भी प्रासंगिक है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांधीनगर के अडालज में 'मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस' के शुभारंभ के दौरान अस्थाई रूप से बनाये गये एक मॉडल क्लासरूम में बच्चों के साथ बैठे नजर आये थे। सरकार के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य गुजरात के सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब और डिजिटल बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना बताया गया था। उस समय विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि प्रधानमंत्री जिस क्लासरूम में बैठे थे, वह एक अस्थायी या कृत्रिम क्लासरूम था। संबंधित तस्वीरों का हवाला देते हुए दीवारों और खिड़कियों के पेंटिंग के स्टिकर होने का दावा किया गया था और इसे 'फोटो शूट' करार दिया था। परन्तु अधिकारियों ने इसके जवाब में यह कहा था कि यह आगामी डिजिटल स्मार्ट स्कूलों का एक मॉडल प्रस्तुतीकरण था जो यह प्रदर्शित करने के लिए था कि भविष्य के क्लास रूम कैसे नजर आयेंगे। तो सवाल यह है कि गत चार वर्षों में मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत अब तक उन मॉडल क्लासरूम की तरह देश में कितने आधुनिक क्लासरूम व आधुनिक स्कूल बनाये गये ?

दूसरी ओर इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार के दौरान अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प ने 25 फरवरी 2020 को नई दिल्ली के मोतीबाग स्थित सर्वोदय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा किया था। दिल्ली के सरकारी स्कूलों और यहाँ की शिक्षा व्यवस्था को देखने के लिए कई अन्य विदेशी मेहमान और प्रतिनिधिमंडल भी आ चुके हैं। समय-समय पर विभिन्न देशों के शिक्षाविद, राजनयिक और प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के सरकारी स्कूलों की बुनियादी संरचना, कक्षाओं और शैक्षणिक गतिविधियों का निरीक्षण करने दिल्ली आते रहे हैं। क्या इसी तरह के आधुनिक सरकारी स्कूल पूरे देश में संचालित नहीं हो सकते ? क्या वजह है कि देश के अधिकांश राज्यों में अनेकानेक सरकारी स्कूल भवन जर्जर हैं ? कहीं स्कूल में भैंसों के तबेले हैं तो कहीं पेड़ के नीचे व खुले आसमान तले क्लास लगाई जा रही है। कहीं क्लासरूम नहीं। कहीं अध्यापक नहीं तो कहीं बिजली व पीने का पानी नहीं तो कहीं शौचालय नहीं। कहीं बच्चे रोज नदी पार कर स्कूल आते जाते हैं तो कहीं कीचड़ और दलदल भरी गड्ढेदार सड़कों से गुजर कर स्कूल आना जाना होता है। यदि देश की सरकारें शिक्षा के प्रति गंभीर होतीं और उनका भारत को विश्वगुरु बनाने का ढिंढोरा महज ढोल पीटना न होता तो आज सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले को महाराष्ट्र में शिक्षा पर घटते बजट और सरकारी मराठी माध्यम के स्कूलों के बंद होने पर गहरी चिंता जताते हुये यह न कहना पड़ता कि ₹नासिक कुंभ मेले के लिए लगभग 32,000 करोड़ का भारी-भरकम बजट तय किया गया है। अगर इस राशि का मात्र 0.1% यानी लगभग 32 करोड़ भी शिक्षा पर खर्च किया जाता, तो राज्य के 100 से 125 बंद हो रहे मराठी स्कूलों को बचाया जा सकता था₹। आखिर जस्टिस प्रसन्ना को क्यों कहना पड़ा कि ₹देश में छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन शिक्षा का बजट बढ़ने के बजाय घट रहा है, जो पिछले कई वर्षों से 13% के आंकड़े को भी नहीं छू सका है₹। उन्होंने गढ़चिरौली की एक घटना का उदाहरण भी दिया जहां जरूरी सुविधाओं की कमी के कारण फर्श पर सोने की वजह से तीन छात्राओं की सांप के काटने से मौत हो गई थी। जस्टिस प्रसन्ना ने यह भी बताया कि उन्होंने स्वयं 10वीं कक्षा तक की पढ़ाई जिला परिषद के मराठी मीडियम स्कूल से की थी, जिसने उनके करियर में कभी बाधा नहीं डाली बल्कि उनके दृष्टिकोण को और व्यापक बनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि प्राथमिक शिक्षा और स्वास्थ्य हर नागरिक का मूलभूत अधिकार है।

देश में बढ़ती बेरोजगारी, शिक्षा,शिक्षण संस्थाओं की कमी व दुर्दशा तथा परीक्षा व्यवस्था में होने वाली धांधलियों व पेपर लीक जैसे मुद्दों ने देश के युवाओं को आंदोलन करने पर मजबूर कर दिया है। इससे घबराई सरकार कहीं स्कूल की वीडिओ ग्राफी करने पर रोक लगा रही है तो कहीं शिक्षण संस्थाओं की हकीकत को उजागर करने वालों पर सत्ता समर्थित गुंडों द्वारा हमला किया जा रहा है। और कहीं सोशल मीडिया पर सरकारी स्कूल की अव्यवस्थाएं दिखाने पर लोगों को जेल भेजा जा रहा है। परन्तु इस बीच कुछ जगहों से सकारात्मक खबरें भी आनी शुरू हुई हैं। जैसेकि राजस्थान के रामपुरा के उस स्कूल का नवनिर्माण करने का फैसला किया गया है जहाँ कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकताओं के साथ सत्ता के समर्थक गुंडों ने मारपीट की थी। यह स्कूल भैंसों के तबेले में चल रहा था। स्कूल की इमारत जर्जर होने के कारण एक स्थानीय ग्रामीण ने अपनी निजी जगह दी हुई है, इसी जगह भैंसों का चारा भी रखा जाता है और बच्चे भी पढ़ते हैं। पंजाब से भी खबर है कि सरकार ने स्कूलों के अनेक नए भवन बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इन ग्रीनफील्ड भवनों का निर्माण मौजूदा जमीनों से परे अन्य खाली जमीनों पर नए सिरे से किया जाएगा। हरियाणा में भी शिक्षा मंत्री द्वारा सरकारी स्कूल्स का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लेने व विद्यार्थियों से संवाद करने की खबर है। Ge»»f Z और युवा पीढ़ी के आंदोलन से ही सही परन्तु शायद अब सत्ताधीशों को यह बात समझ आने लगी है कि शिक्षित राष्ट्र के बिना 'विश्व गुरु ' की अवधारणा पूरी तरह बेमानी है।

श्रम और कौशल विहीन शिक्षा पद्धति तकनीकी शिक्षा का अभाव

संजीव ठाकुर

शिक्षा का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर सोचने, करने और समाज के लिए उपयोगी बनने की क्षमता पैदा करना है। महात्मा गांधी की नई तालीम का मूल विचार इसी दिशा में था कि शिक्षा जीवन और श्रम से जुड़ी हो। आज जब भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देशों में है, तब यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि हमारी शिक्षा युवाओं को केवल डिग्री दे रही है या उनके हाथों में ऐसा कौशल भी दे रही है जिससे वे सम्मानजनक रोजगार प्राप्त कर सकें और स्वयं रोजगार पैदा कर सकें।भारत में शिक्षा का विस्तार निस्संदेह हुआ है। गांव-गांव विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय पहुंचे हैं। उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है। लेकिन इसके साथ एक गंभीर समस्या भी सामने आई है डिग्री और रोजगार के बीच बढ़ती दूरी। बड़ी संख्या में युवा स्नातक और स्नातकोत्तर होने के बाद भी रोजगार के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की लंबी कतार में खड़े दिखाई देते हैं। शिक्षा पूरी करने के बाद नौकरी की तलाश स्वयं एक पूर्णकालिक काम बन जाती है।

यह कहना उचित नहीं होगा कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था केवल बेरोजगार पैदा करती है, क्योंकि शिक्षा ने देश को वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता, शिक्षक, प्रशासक, उद्यमी और असंख्य विशेषज्ञ भी दिए हैं। समस्या अधिक गहरी है। शिक्षा का बड़ा हिस्सा अभी भी ज्ञान, परीक्षा और प्रमाणपत्र के इर्द-गिर्द घूमता है, जबकि आधुनिक अर्थव्यवस्था को ज्ञान के साथ कौशल, तकनीक, अनुभव और समस्या-समाधान की क्षमता चाहिए।

डिग्री बनाम दक्षता

आज किसी युवक के पास बीए, बीकॉम, बीएससी या एमए की डिग्री हो सकती है, लेकिन यदि उसके पास कंप्यूटर, डिजिटल तकनीक, मशीन संचालन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि-तकनीक, लेखांकन, डिजाइन, डेटा विश्लेषण, स्वास्थ्य सेवा, निर्माण, मरम्मत, संचार अथवा किसी अन्य रोजगारपरक क्षेत्र की व्यावहारिक दक्षता नहीं है तो उसकी डिग्री रोजगार की गारंटी नहीं देती। यही वह बिंदु है जहां शिक्षा व्यवस्था को अपने पुराने ढांचे पर पुनर्विचार करना होगा। डिग्री शिक्षा का अंत नहीं, रोजगार और जीवन की क्षमता का आरंभ होनी चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इसी समस्या को पहचानते हुए व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाने, विद्यालय स्तर से कौशल शिक्षा देने और उद्योग के साथ शिक्षा संस्थानों के संबंध मजबूत करने की दिशा निर्धारित की है। नीति में 2025 तक कम-से-कम 50 प्रतिशत विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा का अनुभव देने का लक्ष्य रखा गया था।

आवश्यकता अब लक्ष्य निर्धारित करने से आगे बढ़कर उसकी प्रभावी जमीन तैयार करने की है।

महात्मा गांधी शिक्षा को हाथ, दिमाग और हृदय तीनों के विकास से जोड़ते थे। उनकी बुनियादी शिक्षा में उत्पादनकारी कार्य और शिक्षा का संबंध महत्वपूर्ण था। इसका अर्थ यह था कि विद्यार्थी केवल किताब से नहीं, काम करते हुए भी सीखता है। आज इस विचार को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने की आवश्यकता है।

कक्षा छह या आठ से ही विद्यार्थियों को स्थानीय अर्थव्यवस्था और भविष्य के रोजगार से परिचित कराया जा सकता है। कोई बच्चा कृषि-तकनीक सीखे, कोई सौर ऊर्जा, कोई इलेक्ट्रॉनिक्स, कोई ड्रोन संचालन, कोई कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, कोई बढ़ईगीरी, कोई खाद्य प्रसंस्करण, कोई स्वास्थ्य-सहायता, कोई डिजिटल डिजाइन और कोई स्थानीय हस्तशिल्प।

इससे काम करने और छोटा-बड़ा काम जैसी सामाजिक धारणाओं को भी बदलना होगा। श्रम की प्रतिष्ठा शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बननी चाहिए।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और शिक्षा का व्यापक उद्देश्य

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्त करने का साधन नहीं मानते थे। उनके लिए शिक्षा व्यक्ति के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम थी। इसलिए रोजगारपरक शिक्षा का अर्थ केवल मशीन चलाना या कंप्यूटर सीखना नहीं होना चाहिए। युवा को तकनीकी कौशल के साथ चरित्र, अनुशासन, संवेदना, संवाद-कौशल, नागरिक चेतना और नैतिकता भी चाहिए।

हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो कहे—

कमाओ भी, सोचो भी; बनाओ भी, समाज को समझो भी।

पेपर लीक : व्यवस्था के विश्वास पर चोट

प्रतियोगी परीक्षाओं का संकट इस समस्या को और गंभीर बनाता है। जब लाखों युवा वर्षों तक एक परीक्षा की तैयारी करते हैं और फिर प्रश्नपत्र लीक, नकल या अन्य अनियमितताओं के कारण परीक्षा प्रभावित होती है, तो नुकसान केवल एक परीक्षा का नहीं होता—युवा का समय, पैसा, मानसिक ऊर्जा और व्यवस्था पर विश्वास भी प्रभावित होता है।

अगस्त 2026 में बिहार में भर्ती परीक्षा में कथित प्रश्नपत्र लीक और अनियमितताओं को लेकर छात्रों का विरोध फिर सामने आया। इसी वर्ष संसद में सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकने से संबंधित संशोधन विधेयक भी पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाना है।

इसलिए परीक्षा सुधार केवल कड़ी सजा का विषय नहीं है। परीक्षा-प्रणाली में तकनीकी सुरक्षा, विकेंद्रीकृत प्रश्नपत्र निर्माण, एन्क्रिप्टेड डिजिटल वितरण, सुरक्षित प्रिंटिंग, सीसीटीवी, डिजिटल ऑडिट और जवाबदेही की पूरी श्रृंखला आवश्यक है।

लेकिन उससे भी बड़ी जरूरत यह है कि सरकारी नौकरी को ही सफलता का एकमात्र पर्याय न बनाया जाए।

जर्मनी से सीख : पढ़ाई के साथ काम

जर्मनी की वोकेशनल एजुकेशन एंड प्लैनिंग प्रणाली भारत के लिए उपयोगी उदाहरण हो सकती है। वहां विद्यार्थी व्यावसायिक विद्यालय में सैद्धांतिक शिक्षा प्राप्त करने के साथ कंपनियों में व्यावहारिक प्रशिक्षण लेते है जर्मनी में ऊपरी माध्यमिक स्तर के लगभग एक-तिहाई विद्यार्थी व्यावसायिक कार्यक्रमों में होते हैं और अधिकांश अप्रेंटिसशिप आधारित व्यवस्था में प्रवेश करते हैं। यह व्यवस्था इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि विद्यार्थी केवल ह्लनौकरी के लिए तैयारह्व नहीं होता, वह नौकरी के वास्तविक वातावरण में प्रशिक्षण प्राप्त करता है। कंपनियां भी प्रशिक्षण प्रक्रिया में भाग लेती हैं और प्रशिक्षुओं को भत्ता देती हैं।भारत में भी विद्यालय, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, विश्वविद्यालय और उद्योग के बीच ऐसा मजबूत नेटवर्क बनाया जा सकता है।

फिनलैंड से सीख : लचीली और मॉड्यूलर शिक्षा

फिनलैंड में व्यावसायिक शिक्षा को बदलती अर्थव्यवस्था के अनुरूप लगातार संशोधित किया जाता है। वहां व्यावसायिक योग्यता कई मॉड्यूल में विभाजित हो सकती है और विद्यार्थियों के लिए छोट माइक्रो क्वालिफिकेशन भी विकसित किए जा रहे हैं, ताकि वे विशिष्ट कार्यों के लिए जल्दी आवश्यक कौशल हासिल कर सकें।

भारत जैसे विशाल देश के लिए यह मॉडल अत्यंत उपयोगी हो सकता है। हर विद्यार्थी को तीन या चार वर्ष की डिग्री का इंतजार क्यों करना पड़े? यदि कोई युवा छह महीने में सौर पैनल इंस्टॉलेशन, ड्रोन संचालन, मोबाइल रिपेयर, कंप्यूटर नेटवर्किंग, डिजिटल अकाउंटिंग या किसी विशेष मशीन का संचालन सीख सक है। छोटी अवधि का कौशल, तत्काल काम और आगे उच्च शिक्षा का रास्ता—यही भविष्य की शिक्षा का महत्वपूर्ण मॉडल हो सकता है।

गांव की शिक्षा गांव के रोजगार से जुड़े

भारत की शिक्षा व्यवस्था में स्थानीय अर्थव्यवस्था को केंद्रीय स्थान मिलना चाहिए।

जिस जिले में कृषि प्रमुख है वहां कृषि-प्रसंस्करण, ड्रिप सिंचाई, कृषि मशीनरी, ड्रोन, डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण और भंडारण की शिक्षा हो। जहां वन क्षेत्र है वहां वन-आधारित उत्पाद, औषधीय पौधे और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कौशल विकसित किए जाएं। समुद्री क्षेत्रों में मत्स्य-प्रसंस्करण और समुद्री तकनीक, औद्योगिक क्षेत्रों में मशीनरी और ऑटोमोबाइल कौशल तथा पर्यटन क्षेत्रों में आतिथ्य और भाषा प्रशिक्षण दिया जाए।

हर जिले का एक जिला कौशल मानचित्र बनाया जाना चाहिए, जिसमें अगले पांच-दस वर्षों में संभावित रोजगारों और स्थानीय उद्योगों की पहचान हो। उच्च शिक्षा का एक बड़ा संकट यह है कि कई पाठ्यक्रम उद्योग की बदलती आवश्यकताओं से पीछे रह जाते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी तकनीकी शिक्षा और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच उद्योग सहयोग पर बल देती है तथा अक् मशीन लर्निंग, बिग डेटा, जैव-प्रौद्योगिकी और अन्य उभरते क्षेत्रों में दक्षता विकसित करने की आवश्यकता बताती है। इसलिए प्रत्येक विश्वविद्यालय में केवल प्लेसमेंट सेल नहीं, बल्कि इंडस्ट्री पार्टनरशिप सेंटर होना चाहिए। प्रत्येक विद्यार्थी को पढ़ाई के दौरान कम-से-कम एक वास्तविक परियोजना, एक इंटर्नशिप और एक रोजगारपरक कौशल में प्रमाणित दक्षता अनिवार्य रूप से हासिल करनी चाहिए।

स्व. आनंद दिघे की पुण्यतिथि पर शिवसैनिकों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। धर्मवीर स्वर्गीय आनंद दिघे की पुण्यतिथि के अवसर पर बुधवार, 26 अगस्त को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शिवसेना शहर जिला शाखा अजय नगर एवं आनंद दिघे चौक पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और शिवसैनिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिवसेना उपनेता विश्वास थले, भिवंडी जिला सहसंपर्क प्रमुख मनोज गगे, जिलाप्रमुख कुंदन पाटिल, शहर प्रमुख पूर्व गजेंद्र गुलवी, जिला सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी, जिला सचिव जय भगत, पूर्व जिला संगठिका वैशाली मेस्त्री, पश्चिम सचिव नितेश दांडेकर, पूर्व शहर प्रमुख मोहन वल्लाल तथा उपजिला संगठिका वर्षा पाटिल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। उपनेता विश्वास थले, जिला सहसंपर्क प्रमुख मनोज गगे, जिलाप्रमुख कुंदन पाटिल एवं तालुकाप्रमुख करसन ठाकरे के हाथों आनंद दिघे की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद सभी पदाधिकारियों एवं शिवसैनिकों ने पुष्प अर्पित कर धर्मवीर आनंद दिघे को नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित मान्यवरों ने के सामाजिक कार्यों, जनसेवा और संगठन के प्रति उनके समर्पण को याद करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में शहर महिला समन्वयक संगीता जोशी, शांताराम जाधव, विजय कुंभार, योगेश घावरी, योगेश चव्हाण, सुनील कोकाटे, शंकर खामकर, मयूर कदम, विनोद भोई, नितीन काठवले, निलेश आलशी, अनिल मच्छा, मामा पुण्यार्थी, शरद पांडव, प्रताप शिंदे, विजय बलावकर, राजन काबाडी, अंजना संदुपाटला, पुरुषोत्तम वेमूला, मोहम्मद मोमीन सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं शिवसैनिक मौजूद रहे। धर्मवीर आनंद दिघे के विचारों और जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का आह्वान किया ।

बोईसर-संजान कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों की सेवा में जुटी रही हिंदू जनजागृति संस्था

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा आयोजित बोईसर-संजान कांवड़ यात्रा में हजारों शिवभक्तों ने उत्साह और भक्तिभाव के साथ भाग लिया। हर हर महादेव और बोल बम के जयघोष से यात्रा मार्ग भक्तिमय नजर आया। लंबी दूरी तय कर यात्रा में शामिल कांवड़ियों की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर सेवा एवं सहायता केंद्र लगाये गये।

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी परंपरा को कायम रखते हुए हिंदू जनजागृति संस्था की ओर से भी कांवड़ यात्रियों की सेवा के लिए विशेष सेवा पंडाल लगाया गया। पंडाल में शिवभक्तों के लिए फल, बिस्किट, ठंडा पानी व खिचड़ी की व्यवस्था की गई थी। यात्रा के दौरान कांवड़ियों ने पंडाल में रुककर जलपान किया और सेवा का लाभ उठाया। सेवा पंडाल में संस्था के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने पूरे उत्साह के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई। कांवड़ियों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए कार्यकर्ता लगातार सेवाकार्य में जुटे रहे। संस्था द्वारा किये गये इस सेवाकार्य की कांवड़ यात्रियों सहित स्थानीय नागरिकों ने भी सराहना की। इस सेवाकार्य में रवि सिंह, अमित बाबू, तुलसी छीपा, हिम्मत जैन, जगदीश माली, विकास गुप्ता, मोहित मेहता, पंकज गुप्ता, सुनीता यादव, बीरबल कुशवाहा, प्रियंका सिंह, रेणु सिंह, टीना गुप्ता, आराधना सिंह, अनामिका छीपा, नंदिनी सिंह, रुद्र सिंह व तन्मय गुप्ता सहित संस्था के अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

सीईओ मनोज रानडे ने एडवण की तीन आंगनवाड़ियों का किया निरीक्षण

पालघर (उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने बुधवार 26 अगस्त को एडवण क्षेत्र की तीन आंगनवाड़ियों का दौरा कर वहां उपलब्ध विभिन्न सेवाओं और सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को दिए जाने वाले आहार, उनके पोषण, पूर्व प्राथमिक शिक्षा तथा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही पोषण ट्रैकर पर दर्ज बच्चों के वजन और ऊंचाई से संबंधित रिकॉर्ड की भी जांच की। रानडे ने संबंधित कर्मचारियों को बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति पर नियमित निगरानी रखने तथा सभी आवश्यक अभिलेखों को समय पर अद्यतन रखने के निर्देश दिए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को पौष्टिक आहार के साथ गुणवत्तापूर्ण पूर्व प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराना आवश्यक है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर उन्होंने विशेष जोर दिया। इसके बाद मनोज रानडे ने ग्राम पंचायत एडवण का भी दौरा किया। इस अवसर पर उनके हाथों वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के पदाधिकारी तथा संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मीरा-भायंदर में किसानों और स्थानीय निवासियों के खिलाफ कार्रवाई बंद करो : राजू भोइर

शिवसेना जिला प्रमुख के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्री शिंदे से की मुलाकात; प्रशासनिक कार्रवाई पर जताई नाराजगी

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर शहर में स्थानीय किसानों, मराठी भूमिपुत्रों और आदिवासी समुदाय के लोगों के खिलाफ कथित प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर शिवसेना ने राज्य सरकार के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। शिवसेना के मीरा-भायंदर जिला प्रमुख राजू यशवंत भोइर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंत्रालय में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री तथा नगरविकास मंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात कर विस्तृत निवेदन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि नगरपालिका चुनाव के बाद शहर के कुछ हिस्सों में राजनीतिक द्वेष के चलते स्थानीय लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि नगरपालिका प्रशासन और पुलिस व्यवस्था का कथित रूप से इस्तेमाल कर उन क्षेत्रों में कार्रवाई की जा रही है, जहां सत्ताधारी दल को अपेक्षित राजनीतिक सफलता नहीं मिली। पुराने गांवों और स्थानीय परिवारों का मुद्दा उठाया प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के समक्ष कहा कि मीरा-भायंदर के कई पारंपरिक गांव स्वतंत्रता-पूर्व काल से अस्तित्व में हैं। यहां स्थानीय परिवार पीढ़ियों से रह रहे हैं। परिवारों के बढ़ने के कारण कई लोगों को अपने मौजूदा घरों में सीमित विस्तार की आवश्यकता होती है। ऐसे मामलों में मानवीय दृष्टिकोण अपनाने के बजाय सीधे तोड़क कार्रवाई किए जाने पर शिवसेना ने आपत्ति जताई।

प्रतिनिधिमंडल ने मुर्धा गांव के निवासी एकनाथ पाटिल के पुराने घर पर हुई कार्रवाई का विशेष रूप से उल्लेख किया। साथ ही कार्रवाई का विरोध कर शांतिपूर्ण तरीके से न्याय की मांग करने वाले ग्रामीणों के खिलाफ पुलिस द्वारा मामले दर्ज किए जाने पर भी सवाल उठाए गए। सोशल मीडिया वीडियो मामले में शिवसैनिकों के उत्पीड़न का आरोप प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा के एक पार्षद से संबंधित सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के मामले को भी मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया। शिवसेना नेताओं का आरोप है कि इस प्रकरण में राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से शिवसैनिकों को पुलिस कार्रवाई और कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने ऐसी कार्रवाई तत्काल रोकने की मांग की। अन्याय बर्दाश्त नहीं करेगी शिवसेना : राजू भोइर शिवसेना जिला प्रमुख राजू भोइर ने स्पष्ट किया कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले नागरिकों और स्थानीय भूमिपुत्रों के साथ अन्याय किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन को राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर कानून और मानवीय संवेदनाओं के आधार पर कार्रवाई करनी चाहिए। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने दिया सकारात्मक आश्वासन बैठक के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा सौंपे गए निवेदन का गंभीरता से संज्ञान लिया। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, राज्य सरकार की ओर से आश्वासन दिया गया कि नागरिकों और शिवसैनिकों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा तथा यदि किसी अधिकारी द्वारा मनमानी या गलत कार्रवाई की गई है तो उसके संबंध में उचित प्रशासनिक निर्देश दिए जाएंगे। शिवसेना ने सरकार के इस सकारात्मक रुख का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि मीरा-भायंदर में स्थानीय किसानों, भूमिपुत्रों और आदिवासी समुदाय से जुड़े मामलों में अब निष्पक्ष एवं संवेदनशील कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नायगांव में सेंधमारी और चोरी के मामले का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। नायगांव पुलिस स्टेशन की अपराध पहचान शाखा ने घर में सेंधमारी और चोरी की वारदातों का पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 9 लाख 14 हजार 900 रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण, नकदी तथा अपराध में इस्तेमाल वाहन जब्त किया है। पुलिस की कार्रवाई से नायगांव और काशीमीरा पुलिस स्टेशन में दर्ज कुल तीन चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता किसान सिंह देवी सिंह राजपूत (33), जो हार्डवेयर की दुकान चलाते हैं और नायगांव पूर्व के कमान क्षेत्र में रहते हैं, 7 अगस्त 2026 को अपने परिवार के साथ राजस्थान स्थित अपने पैतृक गांव गए थे। इसी दौरान 7 अगस्त की दोपहर 3 बजे से 9 अगस्त की सुबह 7 बजे के बीच अज्ञात चोर ने उनके घर का ताला तोड़कर प्रवेश किया और लोहे की अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण तथा 4 लाख 25 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। इस मामले में नायगांव पुलिस स्टेशन में गु.र.क्र. 731/2026 के तहत बीएनएस की धारा 331(3), 331(4) और 305(ए) के अनुसार मामला दर्ज किया गया। दो टीमों ने की गहन जांच

घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अपराध पहचान शाखा की दो अलग-अलग टीमें गठित की गईं। पुलिस टीमों ने कामन, पायगांव, बापाने और काशिमीरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में जाकर सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जानकारी और अन्य सुरागों के आधार पर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने मोइनुद्दीन निजामुद्दीन शेख (47), निवासी साकीनाका, मुंबई तथा मूल निवासी उत्तर प्रदेश, और दिलीप कुमार रामरतन जायसवाल (50), निवासी चेंबूर, मुंबई, को गिरफ्तार किया।

मेघाश्रेय ने देश की विशिष्ट विभूतियों को दिया सर्वोत्तम नागरिक सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सर्वोत्तम या आदर्श नागरिक वह व्यक्ति है जो देश के कानूनों का पालन करता है, अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को समझता है, समाज की भलाई में योगदान देता है, और देश की एकता व अखंडता का सम्मान करता है। देश की अग्रणी सामाजिक संस्था मेघाश्रेय द्वारा आज मुंबई के लोअर परेल स्थित द सेंट रेजिस होटल में आयोजित भव्य समारोह में देश की विशिष्ट विभूतियों को सर्वोत्तम नागरिक सम्मान 2026 प्रदान किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, कैबिनेट मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार, आरएसएस के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल उपस्थित रहे। अलग-अलग क्षेत्रों में प्रेरणादायक कार्य करने वाली जिन विभूतियां को सर्वोत्तम नागरिक सम्मान 2026 प्रदान किया गया उनमें सांसद एवं फिल्म अभिनेता रवि किशन, प्रख्यात कथावाचिका जया किशोरी, पद्मश्री हरिहरन, फिल्म निमार्ता सुभाष घई,परमवीर चक्र विजेता योगेंद्र यादव, पदमश्री अशोक लक्ष्मण श्रॉफ, फिल्म अभिनेत्री भूमि पेडणेकर, पदमश्री संजीव कपूर, सुजय जयराज, अभिमन्यु सिंह, अभिषेक सिंह, अहमद खान, सलीम मर्चेंट, जयेशराज भालचंद्र जोशी ,जलील डी पार्कर, लक्ष्मी अग्रवाल, केदार नारायन जोशी, देवांश धनगर का समावेश रहा । इस अवसर पर महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने मेघाश्रेय संस्था की अध्यक्ष सीमा सिंह की सराहना करते हुए कहा कि सीमा सिंह ने जो सर्वोत्तम नागरिक सम्मान आज इन विभूतियों को दी है, यह बहुत सराहनीय है। इतनी खूबसूरत सोच के साथ, पूरे देश से करोड़ों लोगों में 10-20 लोगों को चुनना बहुत ही कठिन चीज है। ऐसे में सीमा सिंह ने जिन विभूतियों को चुना है वह भारत के लिए अलग-अलग क्षेत्र में एक सराहनीय कार्य किए हैं। देश के लिए शानदार योगदान दिए हैं, ऐसे लोग के देश के प्रति रग रग में जोश, देश के प्रति प्यार से ही आज हमारा देश पूरे विश्व में अपना परचम लहरा रहा है। राज्यपाल वर्मा ने कहा कि बहुत संघर्ष परिश्रम करने के बाद कही किसी को इस तरह के बड़े सम्मान से नवाजा जाता है। आप सब धन्य हो हमारे देश के प्रधानमंत्री देश के लिए सराहनीय कार्य कर रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री के कार्य का पूरे विश्व में चर्चा होती है। इस सुंदर कार्यक्रम के लिए सीमा सिंह व उनके परिवार को गवर्नर ने बधाई दी। इस मौके पर संस्था की संस्थापिका सीमा सिंह के सुपुत्र श्रेयस सिंह तथा सुपुत्री मेघना सिंह ने महाराष्ट्र के गवर्नर जिष्णु देव वर्मा को शॉल, श्रीफल तथा पुष्प गुच्छ देकर संस्था की तरफ से स्वागत सम्मान किया। इस मौके पर हजारों की संख्या में, अलग-अलग क्षेत्रों तथा अलग-अलग प्रांतों से लोग उपस्थित थे।

कल्याण पूर्व में गुंडों द्वारा आगजनी और वाहनों में तोड़फोड़, दो गिरफ्तार

चेतन निर्मल -प्रतिनिधि

कल्याण। कल्याण पूर्व के खड़ेगोलवली परिसर में गुंडागर्दी करने वाले युवकों ने सड़क किनारे खड़ी गाडियों की तोड़फोड़ तोड़फोड़ और आगजनी की, इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। इस मामले में कोलसेवाड़ी पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना में एक मकान के इलेक्ट्रिक मीटर और छत के पत्रे जलने के साथ ही करीब 15 वाहनों को नुकसान पहुंचा है।

पुलिस के अनुसार, पुष्पराज कॉलोनी, खड़ेगोलवली निवासी आशीष गोकुळ तिलोंजे (26) ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। यह घटना 24 अगस्त की रात करीब 10 बजे से 25 अगस्त की सुबह 4 बजे के बीच हुई। खड़ेगोलवली की पानी की टंकी से कमला देवी कॉलेज परिसर की ओर जाने वाली सड़क के किनारे खड़े वाहनों में तोड़फोड़ की गई। इस दौरान शिकायतकर्ता के घर का इलेक्ट्रिक मीटर और छत के पत्रे भी आग की चपेट में आकर जल गए। वहीं गौतम दादाभाऊ शिंगारदिवे (46) की यामाहा मोटरसाइकिल भी जल गई। इसके अलावा शिक्रिलर टेम्पो, पिकअप, वैगनआर, सिलेरियो, चारपहिया टेम्पो, सुपर कैरी, इटिगा, ईको, स्विफ्ट समेत करीब 15 वाहनों को नुकसान पहुंचा है। मामले की जांच के बाद कोलसेवाड़ी पुलिस ने नेहरू नगर, खड़ेगोलवली निवासी साहिल फिरोज शेख और इंदिरा नगर, पानी की टंकी के पास रहने वाला सिद्धार्थ विशाल अहिरे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर घटना के संबंध में आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

भिवंडी में ईद-ए-मिलादुन्नबी की विशाल शोभायात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मुस्लिम समाज के पवित्र पर्व ईद-ए-मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को भिवंडी शहर में विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया। कोटर गेट स्थित सुन्नी जामा मस्जिद से शाम करीब साढ़े चार बजे शुरू हुई शोभायात्रा चाविंद्रा स्थित मामाभांजा दरगाह ग्राउंड तक पहुंची। इसमें हजारों की संख्या में मुस्लिम समाज के नागरिक हाथों में झंडे लेकर शामिल हुए।शोभायात्रा का शुभारंभ कोटर गेट मस्जिद से किया गया। प्रमुख मौलवी एवं धार्मिक पदाधिकारी बग्गी में सवार होकर शोभायात्रा में शामिल हुए। पैगंबर हजरत मोहम्मद मुस्तफा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले ईद-ए-मिलादुन्नबी के अवसर पर विश्व शांति तथा सभी धर्मों के लोगों की खुशहाली और कल्याण के लिए प्रार्थना की गई। इस अवसर पर विधायक रईस शेख, पुलिस उपायुक्त डॉ. पवन बनसोड, सहायक पुलिस आयुक्त विजय मराठे, उपमहापौर तारीक मोमिन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।शोभायात्रा को लेकर भिवंडी महानगरपालिका प्रशासन की ओर से व्यापक व्यवस्था की गई थी, जबकि पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। शहर के विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संस्थाओं की ओर से श्रद्धालुओं और नागरिकों के लिए पानी, शरबत, बिस्किट एवं चॉकलेट वितरण की व्यवस्था की गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता रही। कार्यक्रम को शांतिपूर्ण एवं सफल बनाने के लिए रजा अकादमी के अध्यक्ष आवेश कुरेशी तथा उनके सहयोगियों सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने विशेष मेहनत की।

मासवण आश्रम विद्यालय के सभी विद्यार्थियों की हुई स्वास्थ्य जांच

- सभी विद्यार्थियों की हालत स्थिर और खतरे से बाहर
- जांच के लिए पुणे व डहाणू भेजे गये नमूने

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के मासवण स्थित अनुदानित आश्रम विद्यालय के सात वर्षीय छात्र श्रीयश शैलेश अंबात की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की घटना के बाद जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग ने आश्रम विद्यालय के सभी विद्यार्थियों की व्यापक स्वास्थ्य जांच शुरू कर दी है। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एहतियाती और उपचारात्मक उपाय तत्काल शुरू किये गये हैं तथा स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। वहीं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, परियोजना अधिकारी विशाल खत्री, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. रामदास मरड, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी तथा अतिरिक्त आदिवासी आयुक्त गोपीचंद कदम ने मासवण आश्रम विद्यालय का दौरा कर स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लिया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, उनकी चिकित्सकीय जांच, अस्पताल में भर्ती विद्यार्थियों को दिए जा रहे उपचार तथा आश्रम विद्यालय में पेयजल एवं स्वच्छता व्यवस्था की भी समीक्षा की। विशेषज्ञ चिकित्सकीय दल द्वारा विद्यार्थियों की जांच की गई। बुखार के कारण और संभावित संक्रमण का पता लगाने के लिए आवश्यकतानुसार रक्त, सीरम, थ्रोट स्वैब सहित अन्य नमूने जांच के लिए पुणे स्थित संबंधित प्रयोगशालाओं तथा एमआरएचआरयू, डहाणू भेजे गये हैं। इसके अलावा आश्रम विद्यालय के पेयजल के नमूने भी प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गये हैं। प्रशासन के अनुसार वर्तमान में आश्रम विद्यालय वीसीके सभी विद्यार्थियों की स्थिति स्थिर है और सभी खतरे से बाहर हैं। एहतियात के तौर पर कुछ विद्यार्थियों को चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। इनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मासवण में 24, ग्रामीण अस्पताल मनोर में 5 तथा ग्रामीण अस्पताल पालघर में 1 विद्यार्थी उपचार के लिए भर्ती है। सभी विद्यार्थियों को आवश्यक चिकित्सा उपचार दिया जा रहा है। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की दृष्टि से आश्रम विद्यालय की स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था और अन्य स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का भी अधिकारियों ने निरीक्षण किया। प्रयोगशाला जांच की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद उसके आधार पर आगे की आवश्यक चिकित्सकीय कार्रवाई की जायेगी। जिला परिषद स्वास्थ्य विभाग, आदिवासी विकास विभाग तथा संबंधित प्रशासन के बीच समन्वय से आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाये हुए हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त जांच और उपचार तत्काल उपलब्ध कराया जा रहा है।

देश में लॉजिटेक और एस्पायर फॉर हर का वीमेन-ओनली जनरेटिव ए.आई हैकेथॉन जोनल राउंड के लिए मुंबई पहुँचा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लॉजिटेक ने एस्पायर फॉर हर के साथ साझेदारी में वीमेनहूमास्टर अभियान के अंतर्गत पूरे देश में चल रहे अपने जनरेटिव ए.आई हैकेथॉन के मुंबई जोनल राउंड का आयोजन किया। एम.ई.टी कॉलेज बांद्रा में आयोजित इस ईवेंट में इस इलाके से महिला डेवलपर्स और स्टेम छात्राओं ने हिस्सा लेकर विकसित होती हुई टेक्नोलॉजी की मदद से वास्तविक समस्याओं को हल किया। यह पूरे देश में लॉजिटेक एमएक्स और एस्पायर फॉर हर के नेतृत्व में चलाया जा रहा एक अभियान है, जिसका उद्देश्य फ्यूचर-रेडी स्किल्स, मेंटरशिप और करियर के अवसरों की उपलब्धता बढ़ाना है। यह हैकेथॉन महिलाओं को जनरेटिव ए.आई क्षमताएं प्रदान करने के लिए एक एंड-टू-एंड स्किल-बिल्डिंग अभियान है, जो यह प्रमाणित करता है कि एप्लाईड जनरेटिव ए.आई स्किल्स वित्तीय आत्मनिर्भरता और करियर के विकास में तेजी ला सकती हैं। इस अभियान का प्रभाव पूरे देश में प्रदर्शित हुआ है। अभी तक 5,107 शहरों और 15,729 कॉलेजों की लगभग 100,000 महिलाओं ने इसमें हिस्सा लिया है, जिनमें 60 प्रतिशत से अधिक टियर 2 या उससे छोटे शहरों से हैं।

इस अभियान का प्रोग्राम और इंप्लीमेंटेशन पार्टनर एस्पायर फॉर हर है, जिसने पूरे देश में आयोजित होने वाले इस अभियान को एक-एक प्रतिभागी तक पहुँचाने में मदद की। अपने सामुदायिक और संस्थागत नेटवर्क के माध्यम से एस्पायर फॉर हर ने अभियान की पहुँच का विस्तार करते हुए प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया, जनरेटिव ए.आई का क्रियान्वयन किया, मेंटरिंग प्रदान की और आठ स्थानों पर जोनल राउंड्स में तालमेल बनाया। इस प्रतियोगिता के बाद भी प्रतिभागियों को मेंटरशिप, स्किलिंग, पीयर लर्निंग और करियर के अवसर उपलब्ध होंगे, जो महिलाओं को टेक्नोलॉजी में स्थायी करियर बनाने में मदद करेंगे। ग्रेस लोकाको, ग्लोबल मार्केटिंग मैनेजर, एमएक्स, लॉजिटेक ने कहा, मुंबई भारत का फाईनेंशियल और कमर्शियल केंद्र है। यहाँ के परिवेश में तेजी से इनोवेशन हो रहा है। इसलिए यह जरूरी है कि उद्यमों और टेक्नोलॉजी के लिए ए.आई के विकास में महिलाओं को समान भूमिका निभाने का अवसर मिले।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सस्ते सोने का झांसा देकर लूट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

◆ 3 लाख रुपये बरामद, लूट की रकम से खरीदी फॉर्च्यूनर जब्त

मुख्य आरोपी अजय उर्फ पिंटू पर 16 मुकदमे जौनपुर-वाराणसी में दर्ज हैं केस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों को सस्ते सोने का लालच देकर लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। इसके साथ ही वारदात में प्रयुक्त फॉर्च्यूनर वाहन को भी जब्त किया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को सस्ते दाम पर सोना उपलब्ध कराने का झांसा देते थे। झांसे में आए लोगों को पैसा लेकर सुनसान स्थान पर बुलाया जाता था। वहां आरोपियों द्वारा मारपीट कर उनके रुपये लूट लिए जाते थे।

पुलिस जांच में सामने आया कि लूट की रकम से आरोपियों ने करीब एक महीने पहले फॉर्च्यूनर वाहन खरीदा था। पुलिस ने इसी वाहन को

वारदात में इस्तेमाल होने के कारण जब्त कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी इजरी मोड़ के पास से की गई। गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य आरोपी अजय सिंह उर्फ पिंटू बताया गया है। उसके खिलाफ जौनपुर और वाराणसी समेत विभिन्न स्थानों पर कुल 16 मुकदमे दर्ज होने की बात पुलिस ने बताई है।

जलालपुर पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और पूर्व में की गई लूट की वारदातों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस की कार्रवाई से लूट की घटनाओं में शामिल गिरोह के सदस्यों में हड़कंप मचा हुआ है।

जौनपुर में जश्ने यौमुन्नबी एवं मदहे सहाबा का ऐतिहासिक जुलूस शानो-शौकत से संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जश्ने यौमुन्नबी एवं मदहे सहाबा का ऐतिहासिक जुलूस बुधवार को जौनपुर शहर में पारंपरिक शानो-शौकत और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान विभिन्न अंजुमनों ने नातिया कलाम पेश किए, जबकि अलग-अलग अखाड़ों के सदस्यों ने हैरतअंगेज करतब दिखाकर लोगों का उत्साह बढ़ाया। जुलूस में बड़ी संख्या में बच्चे, महिलाएं और विभिन्न समुदायों के लोग शामिल हुए।

बताया गया कि जौनपुर शहर में पिछले करीब 126 वर्षों से जश्ने यौमुन्नबी का आयोजन पारंपरिक रूप से किया जा रहा है। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष भी भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस को मुख्य अतिथि सपा नेता अंसार अहमद तथा केंद्रीय सीरत कमेटी के सदर ओबैदा शिराजी खान ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जुलूस ओलंदगंज से शुरू होकर शाही पुल, चहारसू, किदवई पार्क, कोतवाली चौराहा स्थित कंट्रोल रूम के सामने से होते हुए अल्फस्टीनगंज पहुंचा। इसके बाद शाही अटाला मस्जिद पहुंचकर जुलूस जलसे में तब्दील हो गया। पूरी रात विभिन्न अखाड़ों के करतब और अंजुमनों की ओर से नातिया कलाम पेश किए जाते रहे।

जुलूस के मार्ग में विभिन्न संस्थाओं एवं संगठनों की ओर से स्टॉल लगाए गए थे, जहां लोगों के लिए पानी, नाश्ता और भोजन की व्यवस्था की गई। विभिन्न स्थानों पर लगाए गए मंचों से अंजुमनों और अखाड़ों को पुरस्कृत कर उनकी हौसला-अफजाई भी की गई।

कौमी एकजहती और राष्ट्रीय एकता का संदेश- शाही अटाला मस्जिद में आयोजित जलसे में कौमी एकजहती और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना अनवार कासमी ने की। कार्यक्रम की शुरुआत यासिर एहसान ने कलाम-ए-इलाही से की, जबकि संचालन अबु अकरम कासमी ने किया।

मुख्य वक्ता ने पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जीवन और उनके संदेश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके आगमन से पूर्व समाज में अनेक बुराइयां व्याप्त थीं। बेटियों को जन्म लेते ही दफन करने, शराबखोरी और आपसी रंजिशों के कारण होने वाले संघर्षों से समाज त्रस्त था। ऐसे समय में हजरत मोहम्मद साहब ने मानवता, भाईचारे और बुराइयों को दूर करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह, सपा नेता अंसार अहमद, जावेद सिद्दीकी, डॉ. सरफराज खान, दानिश खान तथा मोहम्मद अयान मौजूद रहे।

इस मौके पर केंद्रीय सीरत कमेटी के सदर ओबैदा शिराजी, जनरल सेक्रेटरी इम्तियाज अहमद रज्जू, हसीन बबलू, अंसार खान, फिरोज अहमद पप्पू, मो. फराज खान, फरहान शेख, अबु हुजैफा खान, मो. सादिक, मो. आमिर, रियाजुल हक, नुरुद्दीन मंसूरी, अकरम मंसूरी, अब्दुल सलाम, ताज मोहम्मद, दिलदार अहमद, अनवारुल हक गुड्डू, हफीज शाह, शम्स तबरेज, सद्दाम हुसैन, मास्टर मेराज, फिरोज गांधी, साजिद अलीम, आरिफ हबीब, अमजद अली, कमालुद्दीन अंसारी, मेराज अहमद, ताज शोबी कादरी, सिराज सिद्दीकी, अलमास सिद्दीकी, नेयाज ताहिर शेख, जावेद अजीम, राजा नवाब, मो. शोएब अच्छू खां, हाजी इमरान, लारैब लियाकत, साहेबे आलम, अरशद कुरैशी सहित अन्य पदाधिकारी एवं लोग मौजूद रहे।

22 साल पुराने हत्याकांड में सांसद प्रतिनिधि समेत चार भाइयों को उम्रकैद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। करीब 22 साल पुराने बहुचर्चित हत्याकांड में एडीजे प्रथम की अदालत ने बड़ा

फैसला सुनाते हुए सांसद प्रतिनिधि एवं सपा नेता मनोज मौर्या समेत चार सगे भाइयों को हत्या का दोषी करार दिया। अदालत ने सभी दोषियों को आजीवन कारावास के साथ अर्थदंड की सजा सुनाई। फैसला आने के बाद चारों दोषियों को न्यायिक अभिरक्षा में लेकर जेल भेज दिया गया।

मामला वर्ष 2004 का है। 16 अगस्त 2004 को लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मियापुर मोहल्ले में कलेक्ट्रेट तिराहे के पास जमीन विवाद को लेकर आशीष मौर्या की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी। मामले में लाइन बाजार थाने में सात आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से गवाहों के बयान दर्ज कराए गए और अदालत के समक्ष उपलब्ध साक्ष्यों को प्रस्तुत किया गया। लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद एडीजे प्रथम की अदालत ने चार आरोपियों को हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

फैसला सुनाए जाने के बाद न्यायालय परिसर में हलचल बढ़ गई। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में दोषियों को न्यायिक अभिरक्षा में लेकर जेल भेज दिया गया। करीब दो दशक से अधिक समय से चल रहे इस मुकदमे में फैसला आने का इंतजार किया जा रहा था।

अभियोजन की ओर से सहायक शासकीय अधिवक्ता संजय श्रीवास्तव और विजय नाथ सिंह ने प्रभावी पैरवी की। प्रस्तुत साक्ष्यों और अभियोजन पक्ष की दलीलों के आधार पर अदालत ने चारों आरोपियों को दोषी करार दिया।

डोभी स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर 72 वर्षीय वृद्ध ने ट्रेन से कटकर दी जान

जितेन्द्र कनोजिया

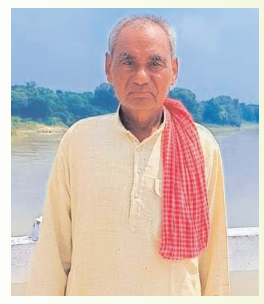

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डोभी क्षेत्र के पोखरा गांव निवासी 72 वर्षीय रामदेव यादव पुत्र स्व. सेतु यादव ने बुधवार रात डोभी रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर जान दे दी। घटना की जानकारी स्टेशन मास्टर ने परिजनों को दी। परिजनों के अनुसार, रामदेव यादव बुधवार रात घर से निकल गए थे। काफी खोजबीन के बाद गुरुवार सुबह रेलवे ट्रैक पर उनका शव मिलने की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही परिजन डोभी स्टेशन पहुंचे। शव देखते ही परिजनों में कोहराम मच गया और उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बताया जा रहा है कि पिछले करीब दस दिनों से उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। मृतक अपने पीछे दो पुत्रों, पोते-पोतियों समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। दोनों पुत्र विवाहित हैं।

दीवानी न्यायालय में अधिवक्ता संघ चुनाव की सरगर्मी तेज, प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन

शुभम कुमार यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दीवानी न्यायालय जौनपुर में अधिवक्ता संघ के आगामी चुनाव को लेकर चुनावी माहौल गरमा गया है। मंगलवार को विभिन्न पदों के प्रत्याशियों ने समर्थकों के साथ पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। अध्यक्ष पद के लिए अवधेश सिंह, संयुक्त मंत्री पद के लिए आलोक कुमार सिंह यादव तथा सदस्य कार्यकारिणी पद के लिए अजीत कुमार यादव ने नामांकन दाखिल कर अपनी दावेदारी पेश की। इसके अलावा अन्य पदों के लिए भी कई अधिवक्ताओं ने नामांकन किया।

नामांकन के दौरान न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं की भारी भीड़ रही। प्रत्याशियों के समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। नामांकन के बाद प्रत्याशियों ने अधिवक्ताओं से संपर्क कर समर्थन जुटाने की कवायद भी तेज कर दी है। कई दावेदारों के मैदान में उतरने से इस बार अधिवक्ता संघ का चुनाव रोचक होने की संभावना है। अध्यक्ष समेत अन्य महत्वपूर्ण पदों पर मुकाबला कड़ा होने के आसार हैं। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सभी की निगाहें चुनाव की आगामी गतिविधियों पर टिकी हुई हैं।

चीनी के स्टॉक का किया गया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पजिलाधिकारी सैमुअल पाल एन के निर्देश के अनुपालन में 25 अगस्त 2026 को खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा जनपद के चीनी के व्यापारियों /डीलरों के स्टॉक का अभियान चलाकर निरीक्षण किया गया।

तहसील सदर में क्षेत्रीय विपणन अधिकारी व पूर्ति निरीक्षक द्वारा एवं मुंगराबादशाहपुर, बदलापुर तथा मड़ियाहूँ में सम्बन्धित क्षेत्रीय विपणन अधिकारी/विपणन निरीक्षक द्वारा चीनी के विभिन्न डीलर्स के स्टॉक का निरीक्षण किया गया, जिनमें मौके पर चीनी का स्टॉक उपलब्ध पाया गया। जिसमें दानिश किराना स्टोर, साद ट्रेडर्स, बदलापुर पड़ाव, जौनपुर में 262.50 कुन्तल, किसन किराना स्टोर, जौनपुर में 23.00 कुन्तल, फूलचन्द्र मनोज कुमार, मुंगराबादशाहपुर में 400.00 कुन्तल, सानिध्य इन्टरप्राइजेज, महाराजगंज में 350.00 कुन्तल, अग्रहरि ट्रेडर्स, महाराजगंज में 45.00 कुन्तल, बजरंग ट्रेडर्स, मड़ियाहू में 150.00 कुन्तल, पयश्वनी ट्रेडर्स, मड़ियाहूँ में 48.00 कुन्तल, स्टॉक की मात्रा पायी गयी।

उपरोक्त के अतिरिक्त कतिपय अन्य डीलर्स के पास अत्यन्त कम मात्रा में चीनी का स्टॉक पाया गया। इस प्रकार निरीक्षण में समस्त डीलर्स के पास भारत सरकार द्वारा निर्धारित स्टॉक सीमा 4000 कुन्तल से कम मात्रा पाई गई। समस्त डीलर्स को चीनी के स्टॉक की सूचना खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के पोर्टल ʺttp://foodstock.dfpd.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करते हुये नियमित रूप से प्रत्येक शुक्रवार को अद्यतन किये जाने के निर्देश दिये गयें।

साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि चीनी का स्टॉक 30 दिन से अधिक अवधि के लिये भण्डारित न किया जाये। यदि किसी भी व्यापारी/डीलर द्वारा निर्धारित स्टॉक सीमा का उल्लंघन किया जाता है, तो उनके विरूद्ध नियमानुसार सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत कार्यवाही सुनिश्चित करायी जायेगी। उक्त जानकारी जिला खाद्य विपणन अधिकारी अमित द्विवेदी द्वारा उपलब्ध करायी गयी है।

कृपाशंकर सिंह बने बीकानेर में चुनाव पर्यवेक्षक, भाजपा की तैयारियों को देंगे धार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सदर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रहे एवं महाराष्ट्र सरकार के पूर्व गृहराज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह को भाजपा ने बीकानेर में आगामी नगर पालिका चुनाव के लिए चुनाव पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी है। बीकानेर पहुंचे कृपाशंकर सिंह ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ बैठक कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, चुनावी रणनीति, कार्यकताओं की जिम्मेदारियों और मतदाताओं तक केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने पर चर्चा हुई।

कृपाशंकर सिंह ने कहा कि

चुनाव में संगठन की मजबूती और बूथ स्तर की सक्रियता बेहद महत्वपूर्ण है। प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कार्यकताओं से आपसी समन्वय बनाकर चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है और कार्यकताओं की मेहनत पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। बैठक में बूथवार कार्ययोजना और चुनावी प्रबंधन को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, स्थानीय नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कृपाशंकर सिंह बीकानेर में संगठन के साथ समन्वय स्थापित कर चुनावी तैयारियों का लगातार जायजा ले रहे हैं।

नगर निकायों के विकास कार्यों की डीएम ने की समीक्षा, गुणवत्ता में लापरवाही पर कार्रवाई के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों में संचालित विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों और निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। डीएम ने निर्माण कार्यों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने प्रत्येक निर्माण एवं विकास कार्य स्थल पर सूचना बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए। बोर्ड पर कार्य की लागत, कार्यदायी संस्था, कार्य प्रारंभ होने की तिथि और निर्धारित पूर्णता तिथि सहित आवश्यक विवरण दर्ज करने को कहा, ताकि आमजन को कार्य की पूरी जानकारी मिल सके।

उन्होंने कहा कि सभी विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। निमार्णाधीन परियोजनाओं का नियमित निरीक्षण कर लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराया जाए।

गुणवत्ता में कमी या किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सड़क एवं नाली निर्माण जैसे जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही पेडेस्ट्रियन पाथवे को अतिक्रमणमुक्त रखने और स्ट्रीट वेंडरों को चिन्हित स्थानों पर व्यवस्थित करने को कहा।

उन्होंने ई-रिक्शा के लिए निर्धारित पिकअप एवं ड्रॉप प्वाइंट चिन्हित करने के निर्देश दिए, ताकि प्रमुख मार्गों पर जाम की समस्या न हो। नगर क्षेत्र में किसी भी कार्य को शुरू करने से पूर्व संबंधित कार्यदायी संस्था से समन्वय कर आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व अजय कुमार सहित नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जर्जर पशु चिकित्सालय भवन को निष्प्रयोज्य घोषित करने के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. ने मंगलवार को राजकीय पशु चिकित्सालय, कटघर रामनगर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध व्यवस्थाओं, पशुओं के उपचार और टीकाकरण की प्रगति की जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने क्षेत्र के पशुओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि पशुओं को संक्रामक एवं गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने पशुपालकों को टीकाकरण, उपचार और पशु स्वास्थ्य संबंधी सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पशु चिकित्सालय के जर्जर भवन का जायजा लिया। उन्होंने भवन को नियमानुसार निष्प्रयोज्य घोषित कर आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि कर्मचारियों और पशुपालकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र पशुपालकों तक पहुंचाया जाए। इस अवसर पर पशुधन प्रसार अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

भुगतान के फेर में महुली की सार्वजनिक सुविधाएं बेहाल

चार माह से बंद शौचालय और खराब हैंडपंपों से ग्रामीण परेशान

सुशील कुमार तिवारी

महुली,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी ब्लॉक क्षेत्र की महुली ग्राम पंचायत में भुगतान संबंधी समस्या के चलते सार्वजनिक सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं। महुली बस

स्टैंड का सार्वजनिक शौचालय करीब चार माह से बंद पड़ा है, जबकि हैंडपंप मिस्त्री का भुगतान नहीं होने से कई खराब हैंडपंपों की मरम्मत भी नहीं हो पा रही है। इससे ग्रामीणों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

महुली-पोलवा और पतरिहा गांवों के बीच स्थित बस स्टैंड पर ग्रामीण बैंक समेत आसपास के तीन गांवों के लोगों का प्रतिदिन आवागमन होता है। बसों के इंतजार में बड़ी संख्या में ग्रामीण और राहगीर यहां पहुंचते हैं। सार्वजनिक शौचालय बंद होने से महिलाओं को विशेष परेशानी हो रही है। शौचालय के पास स्थित खेल मैदान के किनारे लोग खुले में शौच करने को मजबूर हैं, जिससे गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि शौचालय के केयरटेकर का भुगतान नहीं होने के कारण नियमित सफाई और रखरखाव प्रभावित है। लोगों ने तत्काल सफाई कराकर शौचालय को फिर से चालू कराने की मांग की है।

वहीं हैंडपंप मिस्त्री का भुगतान लंबित होने के कारण खराब हैंडपंपों की मरम्मत भी प्रभावित है। कई स्थानों पर हैंडपंप खराब होने से ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने कहा कि स्वच्छता और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं में भुगतान संबंधी अड़चन का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। महुली ग्राम प्रधान अरविंद जायसवाल ने बताया कि केयरटेकर और हैंडपंप मिस्त्री का भुगतान नहीं होने से व्यवस्था प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक व्यवस्था कराकर सार्वजनिक शौचालय को जल्द चालू कराया जाएगा और खराब हैंडपंपों की मरम्मत भी कराई जाएगी।

समान शिक्षा अधिकार को लेकर संगोष्ठी एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिपाह स्थित डीडीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की शाखा पर समान शिक्षा अधिकार एवं महिला-पुरुष समानता विषय पर संगोष्ठी और वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं पुरुषों को समान शिक्षा, अवसर और अधिकार देने के साथ सामाजिक कुरीतियों व भेदभाव को समाप्त करने पर चर्चा हुई।

मुख्य वक्ता आर.एन. टैगोर इंटर कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल स्वप्निल श्रीवास्तव ने कहा कि आज महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि समाज को मजबूत बनाने की आधारशिला शिक्षा है। वास्तविक शिक्षा केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि व्यक्ति के संस्कार, ज्ञान और व्यक्तित्व को विकसित कर उसे सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाने में सक्षम बनाना है।

संगोष्ठी में ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं की शिक्षा और सुविधाओं को लेकर होने वाले भेदभाव को समाप्त करने तथा सामाजिक जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि जाति, उपजाति, धर्म और लिंग के आधार पर होने वाले भेदभाव को समाप्त कर बच्चों में समानता और सम्मान की भावना विकसित करना आवश्यक है।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर समान शिक्षा एवं महिला-पुरुष समानता पर अपने विचार रखे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छह विद्यार्थियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में डीडीएस ग्रुप अ ा ॅ फ इंस्टीट्यूशन की ि द ल ा रू ब ा ा परवीन, महरूबा परवीन, रूबी यादव, बबिता निषाद, यामिश, नेहा, शुग्रा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। संस्था की संचालिका आर.डी. सिंह ने अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संस्था शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट के साथ सामाजिक कुरीतियों एवं भेदभाव के खिलाफ भी निरंतर जागरूकता अभियान चलाती रहेगी।

सिरौली बरियारपुर में धूमधाम से निकला जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस

दिनेश विश्वकर्मा, बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी विकास खंड क्षेत्र के सिरौली बरियारपुर में बुधवार को जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर जुलूस-ए-मोहम्मदी अकीदत और उत्साह के साथ निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने हिस्सा लिया। पैगंबर हजरत मोहम्मद की पैदाइश की खुशी में निकले जुलूस से क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और भाईचारे का माहौल नजर आया। जुलूस निर्धारित मार्गों से होकर गुजरा, जिसमें युवा, बुजुर्ग और बच्चे भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। अकीदतमंदों ने धार्मिक नारों के साथ खुशी का इजहार किया। जुलूस के रास्ते में जगह-जगह लोगों ने स्वागत कर शामिल लोगों को मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी। आयोजकों ने जुलूस के दौरान शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिसकर्मी तैनात रहे और पूरे मार्ग पर निगरानी रखी गई। जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस दौरान लोगों ने कहा कि जश्ने ईद मिलादुन्नबी इंसानियत, मोहब्बत, अमन और भाईचारे का संदेश देता है। कार्यक्रम के अंत में क्षेत्र में अमन-चैन, आपसी भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआ की गई।

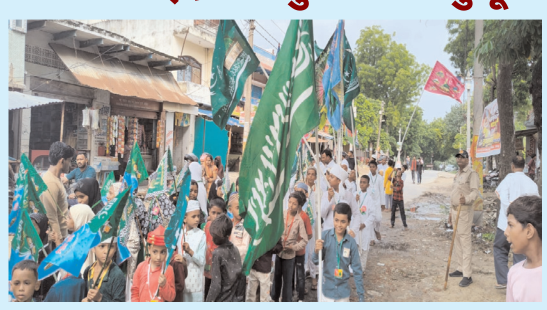

संगीतमय हनुमान चालीसा और सुंदर कांड पाठ सम्पन्न

मुंबई। मंगलवार को अमृतनगर, घाटकोपर स्थित संकट मोचन महाबली श्री हनुमान जी के मंदिर में संगीतमय श्री हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड पाठ का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान भक्तों ने संगीतमय पाठ में शामिल होकर श्री हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा और भजन गायक विमलेश मिश्र , बी सी चौबे ने बहुत ही सुंदर सुर में हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड का पाठ किया। कार्यक्रम में पंडित मृत्युंजय तिवारी,दिनानाथ सिंह,अरविंद शुक्ल, दिनेश सिंह, माधव सिंह, कृष्णा यादव, राजेश सिंह, मुकेश मिश्र, चंद्रमणि सिंह,आदेश मिश्र राकेश दुबे,प्रेम तिवारी, सत्यम तिवारी, दिलीप गुप्ता,प्रीतेश सिंह सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

तीन दिन महिलाओं को बस में फ्री यात्रा कराएगा रोडवेज

वाराणसी। प्रदेश सरकार रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं को 27, 28 और 29 को अगस्त को रोडवेज बस में फ्री यात्रा कराएगी। महिलाओं के साथ एक अन्य अटेंडेंट को भी इसका लाभ मिलेगा। परिवहन निगम वाराणसी परिक्षेत्र के तहत 500 से ज्यादा बसों का संचालन होगा। बस यात्रा पर जीरो रुपये का टिकट भी परिचालक की ओर से दिया जाएगा। वाराणसी परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक परशुराम पांडेय ने इसके लिए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है।

शासन के आदेश के अनुसार 27 अगस्त की सुबह 6 बजे से 29 अगस्त की रात 12 बजे तक यह व्यवस्था लागू रहेगी। वाराणसी से यूपी में लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, प्रयागराज सहित अन्य जगहों पर महिलाएं किसी भी श्रेणी की बस में बैठकर यात्रा कर सकेंगी।

स्कूल के बाथरूम में मिली 8वीं के छात्र की लाश,

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। यूपी के गोरखपुर जिले के लालडिग्गी स्थित स्पर्श राजकीय दृष्टिबाधित बॉयज इंटर कॉलेज के बाथरूम में बुधवार सुबह आठवीं के छात्र अनूप कुमार (18) का शव गमछे के सहारे लटका मिला। देवरिया के रामगुलाम टोला निवासी अनूप आवासीय व्यवस्था में रहकर पढ़ाई करता था। घटना की सूचना पर एसपी सिटी निमिष पाटील और एडीएम सिटी गजेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें अनूप गमछा और बाल्टी लेकर अकेले बाथरूम की ओर जाता दिखाई दिया है। इससे पुलिस प्रथमदृष्टया आत्महत्या की आशंका जता रही है। उप निदेशक दिव्यांग अनूप कुमार के अनुसार, मंगलवार रात करीब 10 बजे छात्र बाथरूम गया था। सुबह सफाईकर्मी विनोद ने काफी देर तक दरवाजा बंद देखा तो खटखटाया। अंदर से कोई आवाज नहीं आई तो उसने स्कूल प्रबंधन को सूचना दी। जानकारी मिलने पर राजघाट पुलिस पहुंची। दरवाजा अंदर से बंद था। उसे खोलने पर छात्र कुंडी में गमछे के सहारे लटका मिला। पुलिस ने शव नीचे उतरवाकर कब्जे में ले लिया। अनूप, रामआसरे का बेटा था और दोनों आंखों से दिव्यांग था। वह वर्ष 2019 से इसी स्कूल में आवासीय छात्र के रूप में रहकर पढ़ाई कर रहा था। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। पिता रामआसरे रिश्तेदारों के साथ स्कूल पहुंचे और घटना की जानकारी ली। उन्होंने स्कूल के कर्मचारियों और छात्रों से भी जानकारी जुटाई तथा सीसीटीवी फुटेज देखी। पुलिस ने छात्र का मोबाइल कब्जे में ले लिया है। उसके कॉल डिटेल और मोबाइल में उपलब्ध अन्य जानकारियों की जांच की जा रही है। आत्महत्या की वजह जानने के लिए स्कूल के छात्रों और शिक्षकों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी जांच रही है कि छात्र किसी तनाव या परेशानी में तो नहीं था। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि शव बीआरडी मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया जाएगा और इसकी वीडियोग्राफी भी होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हाईवे पर कार ने स्कूटी सवार तीन छात्राओं को मारी टक्कर, दो की दर्दनाक मौत

कुशीनगर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले से एक भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आई है। हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार तीन छात्राओं को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में दो छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरी छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई है। यह हृदय विदारक घटना तमकुहीराज थाना क्षेत्र के माधोपुर बुजुर्ग कट के पास घटी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीनों छात्राएं एक ही स्कूटी पर सवार होकर अपने घर लौट रही थीं। जैसे ही वे माधोपुर बुजुर्ग कट के समीप पहुंचीं, एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटी को जोरदार ठोकर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि हादसे के तुरंत बाद कार का टायर भी फट गया। इस हादसे में जान गंवाने वाली दोनों छात्राएं पड़ोसी राज्य बिहार के गोपालगंज जिले की रहने वाली थीं। जिनकी पहचान अनामिका (22 वर्ष) निवासी सुकदेव पट्टी, थाना गोपालपुर (जिला गोपालगंज), निशा (21 वर्ष) निवासी एराजीपुर बोधाछापर, थाना गोपालपुर (जिला गोपालगंज) और इस हादसे में गंभीर रूप से घायल तीसरी छात्रा की पहचान आलीसा खातून (23 वर्ष) के रूप में हुई है, जो कुशीनगर के तमकुहीराज थाना क्षेत्र के छपरा अहिरौली की निवासी है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों मृतक छात्राओं के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, गंभीर रूप से घायल आलीसा खातून को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उसका सघन उपचार चल रहा है। इस बीच, पटहेरवा थाना पुलिस ने दुर्घटना करने वाली कार को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

एक सप्ताह से लापता हुए युवक की हत्या कर शव यमुना में फेंका

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। पुरामुफ्ती से छह दिन पहले लापता युवक मोनू (35) की हत्या करके लाश को यमुना नदी में फेंक दी गई है। यह सनसनीखेज खुलासा गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस के सामने की है। मंगलवार को ग्रामीणों थाने का घेराव किया था। इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने जब कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार किया तो आरोपियों ने चौंकाने वाला खुलासा किया। इसके बाद पुलिस अब उफनाई यमुना में शव की खोजबीन में जुटी है। पूरामुफ्ती से छह दिन पहले लापता युवक मोनू (35) का छह दिन बाद भी सुराग न लगने पर मंगलवार को ग्रामीणों ने थाने घेराव किया था। ग्रामीणों का कहना था कि मोनू का कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया है। कई दिन बीत जाने के बाद भी उसका कोई पता नहीं लगा है। पुलिस मामले में कोई तेजी नहीं दिखा रही है। थाना प्रभारी ने 24 घंटे में मामले का खुलासा करने का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया था। बुधवार को पुलिस ने कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपियों से जब कड़ाई से पूछताछ की गई तो पता चला कि मोनू की हत्या कर दी गई है और शव को यमुना नदीं में फेंक दिया गया है। महगांव निवासी युवक के मामा कमलेश कुमार के मुताबिक, 19 अगस्त को दोपहर करीब 12 बजे मोनू पूरामुफ्ती थाने के पास मौजूद था। आरोप है कि इसी दौरान कार सवार कुछ लोग उसे अपने साथ ले गए। इसके बाद से उसका पता नहीं चला। परिजनों ने अपहरण की आशंका जताते हुए पुलिस को तहरीर दी थी।

लोहिया पार्क में लगेगा रंगीन म्यूजिकल फाउंटेन, रोशनी से जगमगाएगा परिसर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लोहिया पर्यावरणीय उद्यान पार्क के सौंदर्यीकरण और विकास को लेकर उद्यान विकास समिति की बैठक जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में आयोजित हुई। उप निदेशक उद्यान, वाराणसी मंडल, दिग्विजय भार्गव की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्क को आकर्षक बनाने के साथ आगंतुकों की सुविधाएं बढ़ाने पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में पार्क में रंगीन म्यूजिकल फाउंटेन और सेल्फी प्वाइंट बनाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा पार्क की दीवारों पर ऐतिहासिक पेंटिंग कराई जाएगी। वाटर पाम और तिरंगा पोल पर पिक्सल पट्टा लाइट लगाकर पार्क का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। पार्क के बाहर स्ट्रीट लाइट लगाने तथा खराब हो रहे तिरंगा पोल की पेंटिंग कराने के निर्देश भी दिए गए। पार्किंग की समस्या को देखते हुए नगर पालिका और पुलिस की मदद से पार्क के बाहर निश्चित पार्किंग स्थल चिन्हित किया जाएगा। अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटाया जाएगा। जिम और झूलों की आवश्यकता के अनुसार मरम्मत भी कराई जाएगी। पार्क में स्वच्छता और रख-रखाव को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया गया। समिति के अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि पार्क में आने वाले प्रत्येक आगंतुक से सुबह और शाम प्रवेश शुल्क लिया जाए। हालांकि 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक, पत्रकार, राजनेता, दिव्यांग, सेवानिवृत्त सैनिक तथा माता-पिता के साथ आने वाले 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रवेश शुल्क से छूट दी जाएगी। नियमित रूप से पार्क आने वाले लोगों के लिए पास जारी करने का भी निर्णय लिया गया।बैठक में जिला उद्यान अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, क्षेत्राधिकारी नगर के प्रतिनिधि, थाना प्रभारी लाइन बाजार, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक, समिति की सदस्य अंजना सिंह सहित अन्य सदस्य और विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

लाठी-डंडों से मारपीट का वीडियो वायरल, दोनों पक्षों ने दी नामजद तहरीर

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। अतरौलिया थाना क्षेत्र के टड़वा गांव में आबादी की जमीन और रास्ते के विवाद को लेकर बुधवार सुबह दो पट्टीदारों के बीच जमकर मारपीट हो गई। दोनों पक्षों में लाठी-डंडे चलने से महिला समेत कई लोग घायल हो गए। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में नामजद तहरीर दी। पुलिस ने घायलों को चिकित्सीय परीक्षण के लिए अस्पताल भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला करने और धमकी देने के आरोप लगाए हैं। बताया गया कि एक दिन पहले भी रास्ते और निर्माण कार्य को लेकर विवाद हुआ था, जिस पर पीआरवी-112 ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझाया था।

बुधवार को विवाद दोबारा बढ़ने के बाद मारपीट हो गई। घटना का वीडियो किसी ग्रामीण ने बना लिया, जिसमें दोनों पक्षों के लोग आपस में लाठी-डंडों से मारपीट करते नजर आ रहे हैं। पुलिस ने वायरल वीडियो को भी जांच में शामिल किया है।

थानाध्यक्ष देवेंद्र नाथ दुबे ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर प्राप्त हुई है। घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है। तहरीर और वायरल वीडियो के आधार पर जांच की जा रही है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मां की ममता को कोई माप नहीं सकता : मानस कोविद डा. मदन मोहन मिश्र

जौनपुर। माँ की ममता पूरी तरह निःस्वार्थ, पवित्र और असीम स्नेह से भरी होती है। माँ का प्यार बिना किसी स्वार्थ या शर्त के होता है। वह अपने बच्चों की खुशी के लिए हर कष्ट सह लेती है। रामजानकी मंदिर , घनश्यामपुर में आयोजित तीन दिवसीय श्रीराम कथा के अंतिम दिन व्यास पीठ से बोलते हुए प्रख्यात कथावाचक मानस कोविद डा मदन मोहन मिश्र ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि माँ का आँचल बच्चे के लिए सबसे सुरक्षित और शांतिपूर्ण जगह होती है। इस दुनिया में माँ का स्थान कोई दूसरा नहीं ले सकता है। अंतिम दिन कथा में शामिल होने वाले प्रमुख लोगों में विधायक रमेश चंद्र मिश्र, कमला प्रसाद तिवारी बड़े बाबू, पूर्व प्रधानाचार्य रामअनंद पांडे, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे,कॉलेज प्रबंधक गौरव सिंह, पूर्व प्रधान राम जियावन तिवारी, रघुवंश मणि त्रिपाठी, पूर्व प्रधान रमाशंकर मिश्र, बटेश्वर पांडे, पूर्व प्रधान राम सागर दुबे, शिक्षक नेता उमेश मिश्रा, रामधारी तिवारी, रामफेर पांडे, हृदय प्रकाश तिवारी, शशिधर तिवारी, जोखन सेठ, डॉ जैनेंद्र तिवारी,अम्बुज तिवारी, स्वतंत्र कुमार मिश्र, भैया लाल तिवारी,अजय सोनी, हरिओम बरनवाल, शिवपूजन बरनवाल, वीरेंद्र मिश्र, श्रवण तिवारी, गोरखनाथ अग्रहरी,जनार्दन बरनवाल, राजेंद्र सिंह, शिवाजी शुक्ला, आलोक पाठक, शुभम हलवाई, अमरीश अग्रहरि, मनोज तिवारी, अश्वनी पांडे, गायक शिवा मोदनवाल समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

सपा प्रवक्ता चंचल यादव ने मीडिया से की बातचीत, गिनाईं पार्टी की उपलब्धियां

आजमगढ़। आजमगढ़ जनपद के सगड़ी तहसील क्षेत्र के बिलरियागंज में बुधवार को समाजवादी पार्टी की प्रवक्ता चंचल यादव ने मीडिया से रूबरू होकर पार्टी की नीतियों, उपलब्धियों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी लगातार आम जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए प्रयासरत है। मीडिया से बातचीत के दौरान चंचल यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी क्षेत्र के लोगों से निरंतर संपर्क में हैं। किसी भी व्यक्ति के सामने आने वाली समस्या को गंभीरता से लेते हुए पार्टी के लोग अपनी सामर्थ्य के अनुसार पीड़ितों की मदद करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि जनता के हितों की रक्षा करना और उनके अधिकारों की आवाज उठाना समाजवादी पार्टी की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि पार्टी केवल चुनाव के समय ही जनता के बीच नहीं जाती, बल्कि लगातार लोगों के संपर्क में रहकर उनके सुख-दुख में सहभागी बनने का प्रयास करती है। क्षेत्र में किसानों, युवाओं, महिलाओं, गरीबों और जरूरतमंद परिवारों से जुड़े मुद्दों को लेकर समाजवादी पार्टी लगातार आवाज उठाती रही है। चंचल यादव ने समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी की सरकारों में विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ आम जनता को राहत पहुंचाने वाली कई योजनाओं और कार्यों को आगे बढ़ाया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर जनहित से जुड़े कार्यों को और तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। बेरोजगार युवाओं, किसानों, महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के हितों को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कराने पर जोर दिया जाएगा।

किशोरी से दुष्कर्म में आरोपी को 20 वर्ष की कैद,

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर सत्र न्यायाधीश षष्ठम सुरेंद्र प्रताप यादव की अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी युवक को 20 वर्ष के सश्रम करावास व 33हजार रूपए अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन कथानक के अनुसार सुजानगंज थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने अभियोग पंजीकृत करवाया कि दिनांक 26 अप्रैल 2021 को शाम उसकी 14 वर्षीय पुत्री को उसका पड़ोसी शिवकुमार उर्फ झालू बहला फुसलाकर भगा ले गया। काफी खोजबीन की गई किंतु उसका पता नहीं चला। पुलिस का दबाव बनने पर एक महीने 10 दिन बाद आरोपी उसकी पुत्री को लेकर वापस आया। पीड़िता ने न्यायालय में बयान दिया कि उसके गांव का शिवकुमार अपने मित्र गोरखू व अभिषेक के सहयोग से उसे ट्रेन में बैठा कर दिल्ली ले गया। उसे एक कमरे में बंद कर मारपीट कर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म करता था। पुलिस ने विवेचना करके आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। शासकीय अधिवक्ता वेद प्रकाश तिवारी व रमेश चंद्र पाल के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने अवयस्क से दुष्कर्म करने के आरोपी युवक शिवकुमार को दोष सिद्ध पाते हुए 20 वर्ष के सश्रम करावास व 33000 रूपए अर्थदंड से दंडित किया।

लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना का शुभारंभ, महिलाओं को मिलेगी नि :शुल्क बस यात्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ से लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना का शुभारंभ किया। योजना के तहत उत्तर प्रदेश की 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं को उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में आजीवन निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। रक्षाबंधन के अवसर पर 27 अगस्त की सुबह 6 बजे से 29 अगस्त की मध्यरात्रि 12 बजे तक सभी माताओं, बहनों एवं बेटियों को सहयात्री सहित निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके लिए आधार कार्ड अथवा निर्वाचन कार्ड दिखाना होगा। जौनपुर कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रागिनी सिंह, मीना पटेल, जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया एवं एआरएम रोडवेज स्नेहलता सहित अन्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर किया। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा से महिलाएं रक्षाबंधन पर आसानी से अपने भाइयों के पास जाकर राखी बांध सकेंगी। वहीं जिलाधिकारी ने कहा कि 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को आजीवन निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में महिलाओं ने योजना के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। इस दौरान माताओं, बहनों एवं बेटियों को वस्त्र और मिष्ठान भी वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रीती श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

वसई-विरार मनपा में 64 करोड़ से अधिक के बायो-माइनिंग घोटाले का आरोप, मनोज पाटिल ने की एफआईआर की मांग

वसई रोड। वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में बायो-माइनिंग के नाम पर 64 करोड़ रुपये से अधिक के कथित घोटाले का गंभीर आरोप सामने आया है। भाजपा के नेता विपक्ष मनोज पाटिल ने 26 अगस्त को नालासोपारा पश्चिम स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मामले से जुड़े दस्तावेज और कथित अनियमितताओं की जानकारी दी।

मनोज पाटिल ने आरोप लगाया कि पुराने कचरे की बायो-माइनिंग परियोजना में फर्जी डाइमेंशन और बिलों के आधार पर करीब 39 करोड़ रुपये का गबन किया गया। उन्होंने आरडीएफ के परिवहन में भी गंभीर कथित अनियमितताओं का आरोप लगाया। दावा किया गया कि टू-व्हीलर, कार और छोटे वाहनों के माध्यम से 26 से 27 टन आरडीएफ परिवहन दिखाया गया, जिस पर सवाल उठाए गए हैं।

इसके अलावा, एम आर एफ परियोजना के नाम पर कथित रूप से 17 हजार ब्रास पत्थरों की खुदाई और बिक्री में नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया। वहीं, 24.64 करोड़ रुपये के साइंटिफिक लैंडफिल प्रोजेक्ट में भी भारी अनियमितताओं और सरकारी धन की बबार्दी का मुद्दा उठाया गया। भाजपा ने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में कॉन्ट्रैक्टर, कंसल्टिंग कंपनी और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत हो सकती है। पार्टी ने मामले की निष्पक्ष और फोरेंसिक जांच कर कथित फर्जी भुगतान की वसूली तथा दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

केक काटने से इन्कार करने पर पति-पत्नी ने दी जान

बुलंदशहर(उत्तरशक्ति)। बुलंदशहर के डिबाई क्षेत्र के गांव जरैना में जन्मदिन मनाने को लेकर पति-पत्नी के बीच हुई कहासुनी के बाद दोनों ने आत्महत्या कर ली। पत्नी ने फंदे से लटककर जान दे दी। पत्नी की मौत से सदमे में आए पति ने भी फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। दंपती ने करीब 13 माह पहले प्रेम विवाह किया था। दोनों परिवारों ने पुलिस कार्रवाई से इन्कार कर दिया। इसके बाद दोनों का बिना पोस्टमार्टम कराए अंतिम संस्कार कर दिया गया। घटना से दोनों परिवारों के साथ ही गांव में मातम छा गया। कोतवाली डिबाई की धर्मपुर रिपोर्टिंग चौकी क्षेत्र के गांव जरैना निवासी अमर सिंह किसान हैं। उनका इकलौता बेटा सुनील (20) नोएडा की एक निजी कंपनी में नौकरी करता था। इसी कंपनी में काम करने वाली रामघाट थाना क्षेत्र के गांव सुहानी का नगला निवासी ज्योति (19) से सुनील की नजदीकियां बढ़ीं।

दोनों ने परिजनों की सहमति से तीन जुलाई 2025 को अतरौली थाना क्षेत्र स्थित ज्योति की ननिहाल में विवाह किया था। बताया गया कि 18 अगस्त को दोनों गांव जरैना आए थे। 20 अगस्त को ज्योति का जन्मदिन था। वह धूमधाम से जन्मदिन मनाने के लिए केक काटना चाहती थी। हालांकि, सुनील ने सादगी से जन्मदिन मनाने की बात कहते हुए केक काटने से इन्कार कर दिया। इसी बात को लेकर ज्योति नाराज हो गई। बाद में उसने घर के कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। ज्योति की मौत से सुनील भी तनाव में आ गया। कुछ समय बाद उसने भी फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। घटना की जानकारी मिलने पर दोनों परिवारों में चीख-पुकार मच गई। इकलौते बेटे और पुत्रवधू की मौत से सुनील के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, ज्योति के मायके में भी मातम पसरा है। एक साथ दो मौतों से गांव में भी शोक का माहौल है। घटना की सूचना पुलिस को मिली, लेकिन दोनों परिवारों ने आपसी सहमति से किसी तरह की कानूनी कार्रवाई और पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया। इसके बाद परिजनों ने दोनों के शवों का अंतिम संस्कार कर दिया।

एशिया सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस 2026 में एक्सपर्ट्स ने क्रॉस-बॉर्डर अवैध कारोबार का नेटवर्क तोड़ने के लिए खुफिया कार्रवाई का आह्वान किया

मुंबई। अवैध व्यापार के खिलाफ लड़ाई में ह्यअवैध वस्तुओं को जब्त करना पर्याप्त नहीं है। मुंबई में आयोजित एशिया सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस एंड एग्जिबिशन 2026 में विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों और नियामक संस्थाओं को अपना ध्यान केवल शिपमेंट्स को रोकने की बजाय उनके पीछे काम कर रहे संगठित आपराधिक नेटवर्क को पहचानने, पकड़ने और खत्म करने पर केंद्रित करना होगा। इस दो दिवसीय सम्मेलन का विषय, स्ट्रेंथनिंग एन्फोर्समेंट, एम्पॉवरिंग इनोवेशनः इंडियाज नैक्स्ट चैप्टर इन ब्रांड प्रोटेक्शन था। इसमें भारतीय कस्टम्स, राज्य पुलिस, अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा एजेंसियों और ग्लोबल ब्रांड लीडर्स ने हिस्सा लिया। उन्होंने क्रॉस-बॉर्डर स्मग्लिंग, डिजिटल डिस्ट्रीब्यूशन चैनल और रैगुलेटरी आर्बिट्रेज की बढ़ती जटिलता के बारे में बात की। इंटैलिजेंस-लेड एन्फोर्समेंटः डिसरप्टिंग काउंटरफीट एंड इल्लिसिट ट्रेड नेटवर्क्स एक्रॉस बॉर्डर विषय पर हुई पैनल वार्ता में रोडनी वॉन डूरेन, डायरेक्टर, इल्लिसिट ट्रेड प्रिवेंशन, फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल (पीएमआई) ने कहा कि अलग-अलग कानूनी कार्रवाईयों को एक कनेक्टेड खुफिया ऑपरेशन में तब्दील किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हर जब्ती जरूरी है, लेकिन हर छापे से मिलने वाली खुफिया जानकारी सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। जब इस जानकारी को अलग-अलग एजेंसियों, अधिकार-क्षेत्रों और कंपनियों से साझा किया जाता है, तो हमें केवल उत्पादों को जब्त करने से आगे बढ़कर उसके पीछे चल रहे आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने में मदद मिलती है। कॉम्बैटिंग इल्लिसिट ट्रेड इन इंडिया - चैलेंजेस, सॉल्यूशंस एंड द रोड अहेड विषय पर बोलते हुए वान डूरेन ने बताया कि यह समस्या कितनी अधिक विशाल है। उन्होंने कहा कि भारत में हर साल लगभग 231.5 बिलियन डॉलर का अवैध व्यापार होता है। इस सर्वे में शामिल देशों में मूल्य के हिसाब से यह दूसरा सबसे बड़ा अवैध व्यापार का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है।

सुगी लेक डिस्ट्रिक्ट ठाणे के कमर्शियल ग्रोथ के अगले चैप्टर को आकार देगा

मुंबई। सुगी ग्रुप ने सुगी लेक डिस्ट्रिक्ट के रूप में अपने लैंडमार्क 52 एकड़ का वाटरफ्रंट प्रोजेक्ट पेश किया है जो ठाणे वेस्ट में प्रीमियम कमर्शियल, रिटेल, हॉस्पिटैलिटी और लाइफस्टाइल का अनुभव प्रदान करता है। खोपट में कैडबरी जंक्शन के पास, कोरम मॉल के सामने, ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर यह प्रोजेक्ट सुगी ग्रुप के ठाणे मार्केट में कदम रखने आगाज करता है। सुगी लेक डिस्ट्रिक्ट को एक वर्ल्ड-क्लास बिजनेस डिस्ट्रिक्ट के तौर पर सोचा गया है जो ठाणे की लगातार हो रहे आर्थिक विकास, बढ़ते व्यवसायिक महत्व और मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के सबसे तेजी से बढ़ते कमर्शियल रियल एस्टेट मार्केट में से एक के रूप में इसके उभरने को दशार्ता है। इस प्रोजेक्ट में ग्रेड अ++ कमर्शियल ऑफि स होंगे, जहाँ से लेक और सिटी के शानदार नजारे दिखेंगे। हाई-स्ट्रीट रिटेल, बढ़िया डाइनिंग और छह एकड़ का लेकव्यू

प्रोमेनेड कमर्शियल माहौल को पूरा करेगा, जिससे एक ऐसी जगह बनेगी जहाँ लोग काम कर सकें, कनेक्ट कर सकें, तरोताजा हो सकें और ऑफिस के अलावा भी अपना समय बिता सकें। सतत विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, इस कमर्शियल प्रोजेक्ट को छएएऊ (लीडरशिप इन एनर्जी एंड एनवायर्नमेंटल डिजाइन) के तहत रजिस्टर किया गया है, जो दुनिया के सबसे ज्यादा पहचाने जाने वाले ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग सिस्टम में से एक है। यह रजिस्ट्रेशन इस बात पर जोर देता है कि प्रोजेक्ट का फोकस पर्यावरण के हिसाब से ज़िम्मेदार डिजाइन, संसाधनों की क्षमता और हाई-परफॉर्मेंस स्पेस पर है, जो सुगी लेक डिस्ट्रिक्ट के ठाणे के लिए एक स्मार्ट और ज्यादा सस्टेनेबल कमर्शियल डेस्टिनेशन बनाने की सोच का समर्थन करता है। इस प्रोजेक्ट पर टिप्पणी करते हुए, सुगी ग्रुप के संस्थापक और मैनेजिंग पार्टनर निशांत देशमुख ने कहा, सुगी लेक डिस्ट्रिक्ट एक प्रमुख गंतव्य बनाने के हमारे दृष्टिकोण का हिस्सा है जहां व्यापार, जीवन शैली और लोगों की भलाई एक साथ आते हैं और एक साथ बढ़ते हैं। यह व्यवसायों, ब्रांडों, उद्यमियों और निवेशकों के लिए डिजाइन किया गया है जो एक पारंपरिक कमर्शियल एड्रेस से अधिक की तलाश कर रहे हैं। ग्रेड ए++ वाणिज्यिक स्थान, रिटेल, डायनिंग , कल्याण सुविधाओं और छह एकड़ के लेकव्यू सैरगाह के साथ, विकास एक जीवंत, पूरे दिन चलने वाला गंतव्य बनाएगा जो ग्रोथ, कनेक्शन और इसके निवासियों और ठाणे के व्यापक समुदाय के लिए दीर्घकालिक मूल्य का समर्थन करता है। वास्तुशिल्प दृष्टि पर टिप्पणी करते हुए, ए.आर. हफीज कॉन्ट्रैक्टर ने कहा, सिद्धेश्वर झील साइट को एक विशिष्ट प्राकृतिक सेटिंग प्रदान करती है, और हमारा डिजाइन यह सुनिश्चित करता है कि वाटरफ्रंट जिले की पहचान और अनुभव का एक अभिन्न अंग बन जाए, न कि इसके परिधीय में।

जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने वाजिदपुर दक्षिणी में वाजिदपुर तिराहे के पास सेंट थॉमस कोचिंग के सामने आशा दीप इलेक्ट्रॉनिक्स से निकलकर अवधेश श्रीवास्तव के मकान तक बनी इंटरलॉकिंग एवं नाली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि उक्त इंटरलॉकिंग एवं नाली का निर्माण डूडा विभाग, जौनपुर द्वारा लगभग 6 से 8 माह पूर्व कराया गया था। वर्तमान में अदाणी गैस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा गैस पाइपलाइन से संबंधित कार्य के दौरान कई स्थानों पर इंटरलॉकिंग एवं नाली को बिना डूडा विभाग से एनओसी लिए ही खोद दिया गया, जिससे मार्ग क्षतिग्रस्त हो गई है। डूडा विभाग, जौनपुर द्वारा इंटरलॉकिंग को क्षतिग्रस्त किए जाने के संबंध में अदाणी गैस प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षतिग्रस्त इंटरलॉकिंग की शीघ्र मरम्मत कराते हुए उसे पूर्व की स्थिति में बहाल कराया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था द्वारा सड़क, नाली अथवा अन्य सार्वजनिक परिसंपत्ति को क्षतिग्रस्त किए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

स्नेहा दुबे पंडित ने मनपा आयुक्त को दी चुनौती : जानलेवा सड़कें बर्दाश्त नहीं की

वसई। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित की कड़ी पहल के बाद वसई की जर्जर और जानलेवा सड़कों के मामले में मनपा प्रशासन हरकत में आया है। वसंत नगरी को वसई ईस्ट-वेस्ट से जोड़ने वाले पुल के पूर्वी हिस्से की मुख्य सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर विधायक ने आंदोलन की चेतावनी दी थी। इसके बाद वसई-विरार शहर महानगरपालिका के आयुक्त ने तत्काल बैठक बुलाकर मामले पर चर्चा की। 25 अगस्त 2026 को मनपा आयुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सड़क की तत्काल और गुणवत्तापूर्ण मरम्मत, घटिया निर्माण कार्य की तकनीकी जांच, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई तथा दोषी ठेकेदार से खर्च की वसूली की मांग को लेकर कड़ा रुख अपनाया।

विधायक ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रशासनिक प्रक्रिया के नाम पर सड़क मरम्मत में देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने गड्ढों की केवल अस्थायी मरम्मत के बजाय आवश्यक स्थानों पर मैस्टिक और एस्फाल्टिंग के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने की मांग की। बैठक में विधायक ने स्पष्ट किया कि यदि सड़क डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड के दौरान खराब हुई है तो मरम्मत का पूरा खर्च संबंधित ठेकेदार से ह्लरिस्क एंड कॉस्टह्न के आधार पर वसूला जाए। साथ ही मूल वर्क प्लान, बीओक्यू, प्लानिंग और निर्माण कार्य की गुणवत्ता की तकनीकी जांच कराने की मांग भी रखी गई। उन्होंने मांग की कि काम की उचित निगरानी न करने वाले संबंधित अधिकारियों और इंजीनियरों के खिलाफ विभागीय जांच की जाए तथा करोड़ों रुपये के कार्य में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदार को केवल एक वर्ष के प्रतिबंध के बजाय कम से कम पांच वर्ष के लिए ब्लैकलिस्ट किया जाए। जनता के पैसे की बबार्दी को लेकर संबंधित ठेकेदार के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग भी की गई। मनपा आयुक्त पृथ्वीराज बी.पी. ने विधायक स्नेहा दुबे पंडित की शिकायतों और मांगों पर संज्ञान लेते हुए कार्रवाई संबंधी लिखित पत्र दिया। बैठक में अपर आयुक्त दीपक सावंत सहित मनपा अधिकारियों और भाजपा वसई-विरार शहर जिला के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा, ह्लसड़क सिर्फ डामर नहीं होती, बल्कि हजारों नागरिकों के सुरक्षित आवागमन का रास्ता होती है। खराब काम करने वालों के खिलाफ ठोस कार्रवाई होने तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी। लोगों की जान से खेलने वाली जानलेवा सड़कें किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

भारत का बीपीएम उद्योग बीएफएसआई सेक्टर के माइक्रो वर्टिकल में एआई-आधारित बदलाव ला रहा है

मुंबई। चूंकि विश्व स्तर पर वित्तीय सेवा संगठन एआई, ऑटोमेशन, एनालिटिक्स और डिजिटल ऑपरेटिंग मॉडल के उपयोग को तेज कर रहे हैं, इसलिए भारत का बीपीएम उद्योग बीएफएसआई क्षेत्र में नवाचार, परिचालन उत्कृष्टता, जोखिम प्रबंधन और व्यावसायिक परिणामों को सक्षम करने में एक रणनीतिक भागीदार के रूप में तेजी से उभर रहा है। वित्त वर्ष 2026 तक, भारत के बीपीएम सेक्टर का राजस्व 59 बिलियन डॉलर को पार करने की उम्मीद है, जो प्रौद्योगिकी उद्योग के निर्यात राजस्व में लगभग 7% का योगदान देगा। यह वृद्धि एआई-आधारित समाधानों, डेटा मुद्रीकरण, क्लाउड-आधारित एनालिटिक्स, डोमेन-विशिष्ट प्लेटफार्मों और ऑटोमेशन-आधारित परिणामों की बढ़ती मांग से प्रेरित है। गहन बीपीएम टैलेंट, मजबूत बीएफएसआई डोमेन विशेषज्ञता और परिपक्व प्लेटफॉर्म-आधारित डिलीवरी मॉडल के साथ, भारत वैश्विक उद्यमों को प्रक्रिया निष्पादन से परिणाम-केंद्रित बदलाव की ओर बढ़ने में मदद कर रहा है। बीमा, बैंकिंग, ऋण, ग्राहक संचालन, दावों, अंडरराइटिंग और रिस्क इंटेलिजेंस के क्षेत्र में, बीपीएम कंपनियां वैश्विक उद्यमों के उच्च-मूल्य वाले परिवर्तन जनादेश का समर्थन करने के लिए पारंपरिक प्रक्रिया वितरण से आगे बढ़ रही हैं। उदाहरण के लिए, बीमा क्षेत्र में, भारत में बीपीएम और प्रौद्योगिकी टीमें वैश्विक बीमाकताओं को एआई, ऑटोमेशन और एनालिटिक्स के माध्यम से डेटा, दावों और जोखिम संचालन को मजबूत करने में मदद कर रही हैं। पॉलिसी, दावों, वित्तीय और पुनबीर्मा डेटा को एक साथ लाने के लिए एकीकृत डेटा प्लेटफार्मों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे अंडरराइटिंग, दावों और वित्त में बेहतर गवर्नेंस, तेज एनालिटिक्स और मजबूत निर्णय लेने में सक्षमता आ रही है। एक अन्य उदाहरण बैंकिंग कस्टमर ऑपरेशंस से आता है, जहां एक वित्तीय संस्थान को एक प्रमुख डिजिटल माइग्रेशन के दौरान 150,000 से अधिक इनबाउंड कॉल की वृद्धि का सामना करना पड़ा। ग्राहक वर्कफ़्लो में मानव विशेषज्ञों के साथ एआई वॉयस एजेंटों को व्यवस्थित करके, ऑपरेटिंग मॉडल ने बिना किसी रुकावट के इस वृद्धि को प्रबंधित करने में मदद की और पीक माइग्रेशन के दौरान सेवा की गुणवत्ता, अनुपालन और ग्राहक विश्वास को बनाए रखते हुए 46 प्रतिशत फर्स्ट कांटेक्ट रेजोल्यूशन रेट हासिल की। नैसकॉम के वाइस प्रेसिडेंट, श्रीकांत श्रीनिवासन ने कहा, भारत का बीपीएम उद्योग वैश्विक बीएफएसआई संचालन के परिवर्तन में तेजी से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बैंकिंग, ऋण, बीमा, दावों और ग्राहक अनुभव में, यह क्षेत्र उद्यमों को बड़े पैमाने पर गति, सटीकता, लचीलापन और व्यावसायिक परिणामों में सुधार करने में मदद करने के लिए एआई, ऑटोमेशन, एनालिटिक्स और गवर्नेंस के साथ डोमेन विशेषज्ञता का संयोजन कर रहा है।

इंदौर हाईकोर्ट ने भगवान श्रीराम को माना संपत्ति का मालिक, 68 साल पुराने विवाद पर फैसला

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने उज्जैन जिले के खाचरौद स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर से जुड़े करीब 68 साल पुराने विवाद पर मंगलवार को फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति विनय सराफ ने ट्रायल कोर्ट का फैसला निरस्त करते हुए अपील आंशिक रूप से मंजूर की। अदालत ने मंदिर और उससे जुड़ी चल-अचल संपत्तियों का मालिक स्वयं भगवान श्रीराम के देवता को माना है। वहीं मंदिर का प्रबंधन राज्य के राजस्व विभाग के अधीन रहने और औकाफ विभाग को पुजारी नियुक्त करने का अधिकार स्वीकार किया है। मामले की शुरूआत 1954 में हुई, जब रतनदास ने खाचरौद के श्रीराम मंदिर के प्रबंधन और पूजा-अर्चना से जुड़े अधिकारों को लेकर सिविल वाद दायर किया था। ट्रायल कोर्ट ने 1968 में वाद खारिज कर दिया। इसके बाद 3 अक्टूबर 1968 को प्रथम अपील क्रमांक 59/1968 हाईकोर्ट में दाखिल हुई, जो 25 अगस्त 2026 तक लंबित रही।

रिकॉर्ड के मुताबिक मंदिर के प्रबंधन को लेकर विवाद बढ़ने पर महंत मुरलीदास ने 1930 में औकाफ विभाग से मंदिर और उसकी संपत्तियों को संरक्षण में लेने का अनुरोध किया था। 15 अक्टूबर 1930 को औकाफ विभाग ने मंदिर का प्रबंधन अपने अधीन ले लिया और मुरलीदास को पुजारी नियुक्त किया। उनकी मृत्यु के बाद रतनदास ने उत्तराधिकारी के रूप में अपना दावा किया। रामानंद संप्रदाय के साधुओं द्वारा भेख समारोह के जरिए उन्हें महंत की गद्दी के लिए नामित किए जाने की बात भी सामने आई। हाईकोर्ट ने मंदिर को प्राचीन धार्मिक स्थल माना। यहां श्रीराम, जानकीजी, लक्ष्मणजी, हनुमानजी, लक्ष्मीनारायणजी और गोपालजी की प्रतिमाएं विराजित हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि मंदिर और उससे जुड़े फैसले के अनुसार श्रीराम मंदिर, राममोहल्ला, खाचरौद का प्रबंधन राज्य के राजस्व विभाग के अधीन रहेगा, जबकि औकाफ विभाग को पुजारी नियुक्त करने का अधिकार प्राप्त था।अदालत ने मंदिर और उससे जुड़ी चल-अचल संपत्तियों का मालिक स्वयं भगवान श्रीराम के देवता को माना है। वहीं मंदिर का प्रबंधन राज्य के राजस्व विभाग के अधीन रहने और औकाफ विभाग को पुजारी नियुक्त करने का अधिकार स्वीकार किया है। मामले की शुरूआत 1954 में हुई, जब रतनदास ने खाचरौद के श्रीराम मंदिर के प्रबंधन और पूजा-अर्चना से जुड़े अधिकारों को लेकर सिविल वाद दायर किया था। ट्रायल कोर्ट ने 1968 में वाद खारिज कर दिया। इसके बाद 3 अक्टूबर 1968 को प्रथम अपील क्रमांक 59/1968 हाईकोर्ट में दाखिल हुई, जो 25 अगस्त 2026 तक लंबित रही।

नोडविन गेमिंग ने स्पेसफेस्ट की घोषणा की

मुंबई। नई पीढ़ी के युवाओं के मनोरंजन, गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स क्षेत्र की प्रमुख वैश्विक कंपनी नोडविन गेमिंग ने मुंबई के ट्राइडेंट होटल में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पेसफेस्ट लॉन्च करने की घोषणा की। महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से आयोजित होने वाला यह भारत के उन पहले बड़े आयोजनों में से एक होगा, जो अंतरिक्ष, विज्ञान, नई तकनीक और अंतरिक्ष से जुड़े पॉप कल्चर को समर्पित होगा। इस महोत्सव के जरिए ज्ञान और मनोरंजन को एक ही मंच पर लाने का प्रयास किया जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं। इनमें महाराष्ट्र सरकार के उद्योग, निवेश और सेवा विभाग के माननीय मंत्री डॉ. उदय सामंत, उद्योग, निवेश और सेवा विभाग के प्रधान सचिव डॉ. पी. अनबालगन, आईएएस, एमआईडीसी मुंबई के सीईओ दीपेंद्र सिंह कुशवाह, आईएएस, प्राइमस पार्टनर्स इंडिया की को-फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर आरती हरभजनका, तथा इस पहल की कल्पना पेश करने वाले नोडविन गेमिंग के को-फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर अक्षत राठी शामिल थे।

प्रमुख अतिथि उदय सामंत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,मेरे लिए अंतरिक्ष का मतलब हमेशा चंद्रयान जैसी मिशन और इसरो तथा नासा की उपलब्धियों से रहा है। लेकिन स्पेस फेस्ट के माध्यम से मुझे एहसास हुआ कि भारत के छात्रों और युवाओं में इस क्षेत्र को लेकर कितनी बड़ी रुचि और क्षमता है। महाराष्ट्र इस पहल में आगे बढ़कर काम कर रहा है, इसका मुझे गर्व है। मेरा प्रस्ताव है कि स्पेस फेस्ट का आयोजन फरवरी महीने में किया जाए। इससे रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने और अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए मजबूत माहौल तैयार करने के लिए हमें अधिक समय मिलेगा। हमारा लक्ष्य महाराष्ट्र को केवल भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में अग्रणी बनाना ही नहीं, बल्कि इसे दुनिया का एक प्रमुख अंतरिक्ष केंद्र बनाना है। अंतरिक्ष क्षेत्र की अर्थव्यवस्था से लाखों करोड़ रुपये के बड़े अवसर पैदा हो सकते हैं। हम इस अवसर का बड़ा हिस्सा महाराष्ट्र में लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हम हर जरूरी कदम उठाएंगे। मुख्य अतिथि महाराष्ट्र सरकार के उद्योग, निवेश और सेवा विभाग के प्रधान सचिव डॉ. पी. अनबलगन, आईएएस ने स्पेस फेस्ट का लॉन्च वीडियो प्रदर्शित किया और इस पहल को अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा, भारत के लगभग 25% एयरोस्पेस, रक्षा और नेविगेशन सिस्टम का निर्माण महाराष्ट्र में होता हैं। अंतरिक्ष तकनीक को शामिल करते हुए अलग एयरोस्पेस नीति बनाने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य है। फिलहाल भारत के स्पेस-टेक क्षेत्र का मूल्य करीब 8.5 से 9 अरब डॉलर है। अनुमान है कि 2040 तक यह क्षेत्र 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इससे इस क्षेत्र में बड़े अवसर पैदा होंगे। किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए उद्योग, संस्थानों, सरकारी व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, अनुसंधान एवं विकास और निवेश का मजबूत सहयोग जरूरी होता है। स्पेस फेस्ट केवल तीन दिनों का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र के लिए एक बड़े सफर की शुरूआत है।

वित्त वर्ष 26 में boAt का PAT 38% बढ़ा

मुंबई। भारत के प्रमुख कंज्यूमर लाइफस्टाइल टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में से एक , boAt ने आज वित्त वर्ष 26 के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। बाहरी परिचालन माहौल चुनौतीपूर्ण रहने के बावजूद कंपनी ने लाभप्रदता, पूंजी दक्षता और बैलेंस-शीट की मजबूती में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। कंपनी का टैक्स पूर्व लाभ 53% बढ़कर 74.7 करोड़ रुपये से 114.3 करोड़ रुपये हो गया, जबकि टैक्स पश्चात शुद्ध लाभ 38% की बढ़ोतरी के साथ 61.1 करोड़ रुपये से बढ़कर 84.5 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह सुधार पूंजी दक्षता में भी दिखाई दिया, जहां ROCE वित्त वर्ष 25 के 11.5% से बढ़कर वित्त वर्ष 26 में 15.2% हो गया, जिसमें 370 बेसिस पॉइंट्स की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, ऑपरेशन्स से प्राप्त राजस्व 2,931 करोड़ रुपये रहा। boAt ने वित्त वर्ष 26 का समापन बेहद मजबूत वित्तीय स्थिति के साथ किया। वर्ष के अंत तक कंपनी के पास लगभग 397 करोड़ रुपये का नकद भंडार उपलब्ध रहा और उस पर कोई बैंक कर्ज नहीं था। इन्वेंटरी लगभग 10% घटकर 326 करोड़ रुपये से 294 करोड़ रुपये हो गई, जबकि ट्रेड रिसीवेबल्स मुख्य रूप से 255 करोड़ रुपये पर स्थिर रहे। यह सुधार इन्वेंटरी प्लानिंग, कैपिटल एलोकेशन और ऑपरेटिंग अनुशासन पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने का परिणाम है। वर्ष के दौरान बाहरी बैंक उधारी में भारी कमी के चलते फाइनेंस कॉस्ट भी 72% घटकर 27.9 करोड़ रुपये से घटकर 7.9 करोड़ रुपये रह गई। कंपनी ने वित्त वर्ष 26 के दौरान लगभग 60 करोड़ रुपये के अल्पकालिक ऋण का भुगतान किया, जिससे वर्ष के अंत तक ऑन-डिमांड देय ऋण घटकर शून्य हो गया। वित्तीय प्रदर्शन में आए इस सुधार को उत्पाद की गुणवत्ता, सोर्सिंग, चैनल प्रबंधन और लागत दक्षता में किए गए निरंतर सुधारों का समर्थन मिला।

डॉ. फिक्सिट ने पंढरपुर वारी 2026 में वारकरियों के लिए सुरक्षा के अपने वादे का विस्तार किया

मुंबई। डॉ. फिक्सिट, वॉटरप्रूफिंग सॉल्यूशंस ब्रांड, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने घरों से आगे सुरक्षा के अपने वादे को बढ़ाते हुए पंढरपुर वारी 2026 में शामिल वारकरियों का सहयोग किया। पंढरपुर वारी महाराष्ट्र की सबसे श्रद्धेय आध्यात्मिक यात्राओं में से एक है। डॉ. फिक्सिट पंढरपुर वारी 2026 के जमीनी स्तर पर चलाए गए इस अभियान के तहत श्रद्धालुओं के लिए कई तरह की सहायता उपलब्ध कराई गई, जिसका उद्देश्य मानसून के मौसम में यात्रा के दौरान उनके अनुभव को अधिक आरामदायक बनाना था। इस पहल के तहत चलते-फिरते छत के रूप में शेड वारकरियों के साथ उनकी पूरी यात्रा में चलते रहे। इनसे बारिश से बचाव मिला और यात्रा मार्ग पर उन्हें कुछ समय राहत लेने का अवसर भी मिला। टेंट के माध्यम से श्रद्धालुओं को रुकने और आराम करने के लिए स्थान उपलब्ध कराया गया, जबकि सुखाने के केंद्रों ने बारिश में यात्रा करने के बाद उन्हें खुद को सुखाने और तरोताजा होने में मदद की। अप्रत्याशित मौसम से अतिरिक्त सुरक्षा देने के लिए रेनकोट भी उपलब्ध कराए गए, जिससे वारकरी अधिक आराम के साथ अपनी यात्रा जारी रख सके।इस पहल पर प्रतिक्रिया देते हुए संदीप तनवानी, मुख्य विपणन अधिकारी, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड, ने कहा कि पिडिलाइट में हमारा मानना है कि सुरक्षा तभी सबसे सार्थक होती है, जब वह उन लोगों तक पहुंचे जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। इस वर्ष, डॉ. फिक्सिट के माध्यम से हम पंढरपुर वारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक कदम और आगे बढ़ा रहे हैं। इसके तहत पहली बार अपनी तरह के अनोखे मोबाइल ड्राईंग स्टेशंस (सुखाने के केंद्र) शुरू किए गए हैं, जो वारकरियों को

खुद को सुखाने और मानसून के दौरान अधिक सहजता के साथ अपनी तीर्थयात्रा जारी रखने में मदद करेंगे। इसके साथ ही, हम चलते-फिरते छत के शेड, सुरक्षा देने वाले बारिश के कपड़े और टेंट के माध्यम से भी अपनी पहल का विस्तार कर रहे हैं, ताकि रास्ते में श्रद्धालुओं को सहयोग मिल सके। हमें इस पवित्र परंपरा का हिस्सा बनने और वारकरियों के साथ खड़े होने पर गर्व है। हम उनकी आस्था और भक्ति की इस उल्लेखनीय यात्रा को जारी रखने में उनकी मदद कर रहे हैं। इस पहल में जमीनी स्तर पर चलाए गए अनुभव के हिस्से के रूप में प्रवेश द्वार, रिस्टबैंड और टी-शर्ट भी शामिल थे। इन माध्यमों ने पूरी तीर्थयात्रा के दौरान वारकरियों को दिए जा रहे सहयोग को और मजबूत किया। :25 वर्षों से अधिक समय से, डॉ. फिक्सिट ने अपनी वॉटरप्रूफिंग विशेषज्ञता के माध्यम से पूरे भारत में 1,000 करोड़ वर्ग फुट से अधिक निर्मित स्थानों को सुरक्षित किया है। पंढरपुर वारी के साथ अपने जुड़ाव के माध्यम से कंपनी सुरक्षा के अपने वादे को तय स्ट्रक्चर्स से आगे ले जाना जारी रखे हुए है। अब यह वादा लोगों और समुदायों तक भी पहुंचाया जा रहा है तथा उनकी यात्राओं के दौरान सार्थक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है।

आठ नदियों का जल, सड़को पर शिवभक्ति का सैलाब

-सुरेश गांधी

वाराणसी. सावन के अंतिम बुधवार को काशी की गलियां उस समय शिवभक्ति के रंग में रंग गईं, जब सर्व वैश्य समाज समिति, काशी के आह्वान पर वैश्य समाज की भव्य जलाभिषेक यात्रा निकली। सिर पर आठ पवित्र नदियों के जल से भरे कलश लिए महिलाओं और पुरुषों की कतार, आगे चलते हाथी-घोड़े, भगवान भोलेनाथ और मां पार्वती की झांकियां और गूंजता हर-हर महादेव का जयघोष... मानो पूरी काशी बाबा विश्वनाथ के दरबार की ओर उमड़ पड़ी हो।

जलाभिषेक यात्रा का शुभारंभ मारवाड़ी समाज भवन, लक्सा में 5000 कलशों के पूजन के साथ हुआ। मंत्री रविंद्र जायसवाल की अध्यक्षता में निकली शोभायात्रा में गणेश जी, हनुमान जी और माता काली के स्वरूप, बैंड-बाजा, डमरू दल तथा नंदी पर विराजमान भगवान शिव-पार्वती की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। शंखवादन करती महिलाएं और सिर पर कलश धारण किए वैश्य समाज की महिलाएं यात्रा की शोभा बढ़ा रही थीं। बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे भक्ति धुनों पर नाचते-गाते बाबा के दरबार की ओर बढ़े। समिति के संरक्षक एवं प्रदेश सरकार के मंत्री रविंद्र जायसवाल ने यात्रा की अगुवाई की। आठ नदियों के जल से भरे इन कलशों को बाबा विश्वनाथ के चरणों में अर्पित करने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखा।

यात्रा में धार्मिक आस्था के साथ काशी की लोक संस्कृति भी कदमताल करती नजर आई। भगवान शिव और माता पार्वती की आकर्षक झांकियां लोगों का ध्यान खींच रही थीं। हाथी-घोड़ों की मौजूदगी ने यात्रा की भव्यता बढ़ा दी। वहीं गोपी रूप में सजी महिलाओं और युवतियों ने गरबा की प्रस्तुति देकर माहौल में रंग भर दिया। रास्ते भर श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते और बाबा के जयकारे लगाते रहे।

कलश में आठ नदियों की धार, मंजिल बाबा का दरबार

शोभायात्रा निर्धारित मार्ग से होती हुई श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने क्रमवार बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया। आठ नदियों के जल से बाबा के अभिषेक के दौरान पूरा परिसर हर-हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठा। मंत्री रविंद्र जायसवाल ने भी परिवार के साथ बाबा विश्वनाथ का रुद्राभिषेक किया। उन्होंने बाबा से काशी, प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि तथा सभी के स्वस्थ और मंगलमय जीवन की कामना की।

खुद बन जाता है : रविंद्र जायसवाल

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में रविंद्र जायसवाल ने कहा कि सावन में बाबा विश्वनाथ के दर्शन की इच्छा हर सनातनी के मन में होती है। कई बार श्रद्धालु भीड़ और व्यवस्थाओं को देखकर सोचते हैं कि बाबा के दर्शन कैसे होंगे, लेकिन जब मन में सच्ची आस्था होती है तो रास्ता अपने आप बन जाता है। उन्होंने कहा कि सावन के अंतिम बुधवार को स्थानीय लोगों और समाज के उन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आयोजन किया जाता है, जो किसी कारण से नियमित रूप से बाबा का दर्शन नहीं कर पाते। आठ नदियों के जल से बाबा का अभिषेक इसी भावना का प्रतीक है। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि दर्शन के बाद भजन और फिर भंडारा–बाबा के दरबार में दो-चार घंटे बैठकर भक्ति में डूबने से बड़ा सौभाग्य क्या हो सकता है। ऐसे आयोजन समाज में सौहार्द और एकजुटता को मजबूत करते हैं।

सनातन के लिए जिए हैं, सनातन के लिए जीते रहेंगे : रविंद्र

मंत्री ने कहा कि उनका जीवन सनातन संस्कृति और समाज की सेवा के लिए समर्पित है। उन्होंने परिवारों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को भगवान, धर्म और सनातन की परंपराओं से जोड़ें। केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि कथा और संस्कारों के माध्यम से बच्चों को अपनी जड़ों से परिचित कराएं। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को आस्था और विश्वास का अर्थ समझाने की जरूरत है। आस्था कुतर्क नहीं, विश्वास है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं की जानकारी देने की अपील की। उन्होंने युवाओं और विशेषकर बेटियों को सावधान करते हुए कहा कि वे किसी के बहकावे में न आएं और अपने संस्कार, परिवार तथा संस्कृति से जुड़े रहें।

काशी में मंदिर बढ़ा तो रास्ते भी चौड़े होने लगे : रविंद्र

रविंद्र जायसवाल ने काशी विश्वनाथ धाम के विकास और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए जा रहे कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बाबा का भव्य धाम बनने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तार हुआ है। आसपास की गलियों और मार्गों को चौड़ा किया जा रहा है, जिससे देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं को बाबा के दरबार तक पहुंचने में सहूलियत हो। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि काशी में विकास और सनातन संस्कृति का संरक्षण साथ-साथ आगे बढ़ रहा है।

जलाभिषेक के बाद शंकराचार्य चौराहे पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रसिद्ध भजन गायक शेखर जायसवाल ने शिव और भक्ति से जुड़े भजनों की प्रस्तुति से ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु झूम उठे। भजनों की स्वर लहरियों और हर-हर महादेव के उद्घोष से पूरा वातावरण भक्तिरस में डूब गया। ह्यनमस्तुभ्यम्ह्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। आयोजन के अंत में श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। समिति की ओर से प्रयास रहा कि समाज के लोग केवल बाबा का दर्शन और जलाभिषेक ही न करें, बल्कि कुछ समय बाबा की भक्ति, भजन और प्रसाद के साथ सामूहिक रूप से बिताएं। आठ नदियों का जल जब कलशों में सिमटकर बाबा के चरणों तक पहुंचा तो यह सिर्फ जलाभिषेक नहीं था–यह काशी में आस्था, परंपरा, संस्कृति और सामाजिक एकता की एक साथ बहती धारा थी।

फॉर्च्यून के मस्टर्ड ऑयल पोर्टफोलियो का विस्तार

मुंबई। एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड. के प्रमुख एडिबल ऑयल ब्रांड फॉर्च्यून ने आज फॉर्च्यून येलो मस्टर्ड ऑयल लॉन्च करने की घोषणा की। इसके साथ कंपनी ने अपने मस्टर्ड ऑयल पोर्टफोलियो का विस्तार किया है, ताकि उन उपभोक्ताओं की जरूरत पूरी की जा सके जो येलो मस्टर्ड ऑयल के पारंपरिक स्वाद और खूबियों को पसंद करते हैं। 1 लीटर पेट पैक में उपलब्ध फॉर्च्यून येलो मस्टर्ड ऑयल चुनिंदा पीली सरसों के बीजों से तैयार किया गया है। इसमें वह गुणवत्ता और भरोसा है, जिसके लिए उपभोक्ता फॉर्च्यून को जानते हैं। यह लॉन्च ऐसे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर किया गया है, जो रोजमर्रा के खाना पकाने में पारंपरिक तेलों को प्राथमिकता देते हैं। फॉर्च्यून येलो मस्टर्ड ऑयल में ओमेगा-3 और ओमेगा-6 की खूबियां भी मौजूद हैं। रोजमर्रा के पोषण को लेकर उपभोक्ताओं में बढ़ती जागरूकता के बीच इन पोषक तत्वों पर भी ध्यान बढ़ रहा है। प्रशांत पांडे, ग्रुप प्रोडक्ट मैनेजर, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड ने कहा, फॉर्च्यून में हमारा हमेशा प्रयास रहा है कि हम उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को समझें और देशभर के परिवारों तक गुणवत्तापूर्ण उत्पाद पहुंचाएं। येलो मस्टर्ड ऑयल का पारंपरिक जुड़ाव खासतौर पर उत्तर भारत में मजबूत है और हमें खुशी है कि हम फॉर्च्यून ब्रांड के तहत यह उत्पाद उपभोक्ताओं के लिए लेकर आए हैं।